राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरुवार 27 जून 2024 वर्ष–7, अंक–154 पृष्ठ–08 मूल्य–01 रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

अमित शाह को हत्या का आरोपी कह बुरे फंसे राहुल

- सुल्तानपुर कोर्ट में पेश होने का आदेश
- मानहानि केस में 2 जुलाई को बुलाया

सुल्तानपुर (एजेंसी)। सुल्तानपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को अमित शाह हेट स्पीच केस में 2 जुलाई को पेश होने का आदेश दिया है। बुधवार को सुनवाई के दौरान जज ने राहुल के वकील से पूछा कि वह कहां हैं। वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि लोकसभा में स्पीकर पद का चुनाव है। इसलिए वह कोर्ट में उपस्थित नहीं हुए। कोर्ट ने राहुल को 2 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने का आदेश दिया है। 8 मई 2018 को बेंगलुरु में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमित शाह को हत्या का आरोपी कहा था। इसी के खिलाफ सुल्तानपुर के भाजपा नेता ने मानहानि का केस दर्ज कराया था। इससे पहले इसी साल राहुल गांधी 20 फरवरी को कोर्ट में पेश हुए थे। केस 5 साल से चल रहा है। दिसंबर 2023 में एमपी/एमएलए कोर्ट के तत्कालीन जज ने राहुल गांधी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। राहुल ने 20 फरवरी 2024 को सुल्तानपुर कोर्ट पहुंचकर सरेंडर किया था। कोर्ट ने उन्हें 25-25 हजार के दो बॉन्ड पर जमानत दी थी। इसके बाद पहली तारीख 2 मार्च को लगी थी। इसके बाद 13 मार्च, 22 मार्च, 2 अप्रैल, 12 अप्रैल, 22 अप्रैल, 2 मई, 14 मई, 27 मई, 7 जून, 18 जून और 26 जून। लेकिन राहुल नहीं पहुंचे। उनकी ओर से उनके वकील काशी शुक्ला हाजिरी माफी की अर्जी दे रहे हैं। कोर्ट में राहुल के बयान दर्ज होने हैं। राहुल ने कहा था-भाजपा का अध्यक्ष हत्या का

आरोपी है सुल्तानपुर के भाजपा नेता विजय मिश्रा ने आरोप लगाया था कि 8 मई 2018 को बेंगलुरु में कर्नाटक चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसमें उन्होंने कहा था-अमित शाह हत्या के आरोपी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जज लोया मामले में इसका उल्लेख किया। इसलिए मुझे नहीं लगता कि अमित शाह की कोई विश्वसनीयता है। जो पार्टी ईमानदारी और शुचिता की बात करती है, उसका अध्यक्ष हत्या का आरोपी है। बता दें कि जस्टिस लोया के बेटे ने अपने पिता की मौत को नेचुरल बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसे सामान्य मौत बताते हुए मामले की सीबीआई जांच से जुड़ी याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस बृजमोहन हरकिशन लोया की मौत दिसंबर 2014 में नागपुर में हुई थी। उस वक्त वह अपने एक साथी की बेटी की शादी में गए थे। जज लोया सोहराबुद्दीन एनकाउंटर मामले की सुनवाई कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस को पसंद नहीं आया इमरजेंसी के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन

- कार्ति चिंदबरम बोले-रियर व्यू मिरर देखकर कार चलाना बंद करे भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा परिसर में बीजेपी और उसके सहयोगी दलों ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर नारेबाजी के साथ प्रदर्शन किया। इससे पहले स्पीकर ओम बिरला ने भी अपने संबोधन में इमरजेंसी का जिक्र किया और कहा कि देश के संविधान को किनारे कर इंदिरा गांधी सरकार द्वारा आपातकाल लगाया जाना गलत था। एनडीए प्रदर्शन पर कांग्रेस नेता कार्ति चिंदबरम ने कहा कि बीजेपी को रियर व्यू मिरर देखकर कार चलाना बंद करना चाहिए। बीजेपी ने देशभर में

आपातकाल की बरसी पर विरोध का ऐलान किया है। एनडीए सांसद लोकसभा के बाहर जमा हुए और आपातकाल के खिलाफ नारेबाजी की, इस पर कांग्रेस की ओर से भी प्रतिक्रिया सामने आई है। कांग्रेस सांसद कार्ति चिंदबरम ने कहा, 1975 से अब तक गंगा में बहुत पानी बह चुका है। इंदिरा गांधी ने इस आपातकाल पर खेद जताया था। 1977 के चुनाव में वे हार गई थीं। भाजपा को अब पीछे की ओर देखकर कार चलाना बंद कर देना चाहिए।

अमृतपाल के बाद अब उसका करीबी भी लड़ेगा चुनाव

- डिब्रूगढ़ जेल में है साथ, पंजाब की सियासत में उबाल के आसार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब दे प्रमुख अमृतपाल सिंह पंजाब के खडूर साहिब सीट से चुनाव जीतकर सांसद बन चुका है। अब जेल में उसका करीबी भगवंत सिंह उर्फ प्रधानमंत्री बाजेके भी चुनाव लड़ेगा। इसकी घोषणा बाजेके के बेटे आकाशदीप सिंह ने इंस्टाग्राम पर वीडियो

अपलोड करके की। बाजेके अमृतपाल सिंह के साथ असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। बाजेके गिद्दड़बाहा उपचुनाव से निर्दलीय चुनाव लड़ेगा। बता दें कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने गिद्दड़बाहा सीट से विधानसभा चुनाव जीता था। अब उनके सांसद बनने के बाद इस सीट पर विधानसभा उपचुनाव होना है। खालिस्तानी समर्थक प्रधानमंत्री बाजेके के बेटे ने एक वीडियो जारी कर कहा कि मेरे पिता जेल से चुनाव लड़ेंगे। सिख संगत से भी उनका साथ देने की अपील की गई है। बाजेके किसान आंदोलन में भी काफी सक्रिय रहा था। वह अक्सर किसान आंदोलन के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करते रहता था।

ओम बिरला लगातार दूसरी बार बने लोकसभा स्पीकर

- ध्वनिमत से जीता चुनाव, पीएम और राहुल ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के अध्यक्ष चुने गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके नाम का प्रस्ताव इस पद के लिए रखा। एनडीए में शामिल सभी घटक दलों ने उनके नाम का समर्थन किया। इसके बाद ध्वनिमत से उन्हें इस पद के लिए चुन लिया गया है। आपको बता दें कि शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कांग्रेस सांसद के. सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित करने के लिए प्रस्ताव पेश किया। 18वीं लोकसभा के अध्यक्ष चुने जाने के बाद भाजपा सांसद ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विपक्ष के नेता राहुल गांधी और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू भी उनके साथ आसन तक पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने इस अवसर पर

कहा कि मेरा सौभाग्य है कि फिर एक बार लोकसभा के स्पीकर बने हैं। उन्होंने कहा, यह सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हो रहे हैं। आपको मेरी और इस पूरे सदन की तरफ से बहुत शुभकामनाएं। अमृतकाल के इस महत्वपूर्ण कालखंड में दूसरी बार इस पद पर विराजमान होना बहुत बड़ा दायित्व आपको मिला है।

हम सबका विश्वास है कि आप आने वाले 5 साल हम सबका मार्गदर्शन करेंगे। पीएम मोदी ने कहा, आजादी के 70 वर्षों में जो काम नहीं हुए, वे आपकी अध्यक्षता में इस सदन ने संभव किए हैं।

'जय फिलिस्तीन' का नारा ओवैसी को पड़ेगा भारी!

- राष्ट्रपति मुर्मू को कर दी गई शिकायत, सांसदी पर खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा की शुरुआत हो चुकी है, उम्मीद के मुताबिक थोड़ा बवाल भी देखने को मिला है। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने जब संसद में शपथ ली, उनकी तरफ से 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगा दिया गया। उस नारे की वजह से काफी विवाद बढ़ चुका है, कहा जा रहा है कि उन्होंने देश की संसद में एक विदेशी समस्या के प्रति अपना समर्थन जारी किया है। इसे नियम के विरोध भी बताया गया है। अब इसी कड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास शिकायत पहुंच गई है, यह कम्पलेन

एडवोकेट विष्णु शंकर जैन द्वारा की गई है। एक्स पर लिखी पोस्ट में जैन ने कहा है कि संविधान के अनुच्छेद 102 और 103 के संदर्भ में ओवैसी के खिलाफ एक शिकायत दर्ज करवाई गई है। मांग की गई है कि उन्हें संसद के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया जाए। उनका तर्क रहा है कि ओवैसी ने एक विदेशी देश और उनके मुद्दे के प्रति अपनी निष्ठा जाहिर की है, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। वैसे बड़ी बात यह है कि संसद के रिकॉर्ड से भी इस नारे को हटा दिया गया है।

कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम चाहते हैं सीएम सिद्धा!

डीके शिवकुमार की बढ़ेगी टेंशन, पार्टी भी है हैरान

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने की मांग उठ रही है। फिलहाल राज्य के सीएम एम. सिद्धारमैया हैं और उनके साथ डिप्टी सीएम के तौर पर डीके शिवकुमार काम कर रहे हैं। इस बीच मांग उठ रही है कि राज्य में तीन और उपमुख्यमंत्री बनने चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस पर बुधवार को जवाब दिया और कहा कि तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग पर कांग्रेस आलाकमान का फैसला अंतिम होगा। दरअसल राज्य के कुछ मंत्री वीरशैव-लिंगायत, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यक समुदायों के नेताओं को उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की वकालत कर रहे हैं। वर्तमान में डीके शिवकुमार उपमुख्यमंत्री हैं और वोक्कालिगा समुदाय से हैं। एक प्रश्न के उत्तर में सिद्धरमैया ने मीडिया से कहा, 'आलाकमान जो भी

फैसला लेता है, वह अंतिम है।' कांग्रेस के भीतर एक वर्ग का मानना है कि तीन और उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग संबंधी मंत्रियों के बयान सिद्धरमैया खेमे की (खास) योजना का हिस्सा है और उसका मकसद शिवकुमार को काबू में रखना है। ऐसी चर्चा है कि शिवकुमार सरकार के ढाई साल के कार्यकाल के बाद मुख्यमंत्री पद की मांग कर सकते हैं। सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना, आवास मंत्री बी जेड जमीर अहमद खान, लोक निर्माण मंत्री सतीश जरकिहोली और कुछ अन्य नेताओं ने इस सप्ताह की शुरुआत में एक बार फिर तीन और उपमुख्यमंत्रियों की मांग की थी। इन्हें सिद्धरमैया का करीबी माना जाता है।

'मैंने मनीष सिसोदिया पर कोई दोष नहीं मढ़ा'

केजरीवाल ने कोर्ट में सीबीआई के दावों का किया खंडन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति घोटाले में सीबीआई ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही कोर्ट में दिल्ली शराब नीति और केजरीवाल की भूमिका को लेकर कई दावे किए। सीबीआई के इन दावों को केजरीवाल ने खंडन किया है। अरविंद केजरीवाल ने कोर्ट को बताया कि सीबीआई सूत्रों के जरिए मीडिया में यह फैलाया जा रहा है कि मैंने बयान दिया है कि मैंने अपना सारा दोष मनीष सिसोदिया पर डाल दिया है। केजरीवाल ने कहा कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है कि मनीष सिसोदिया दोषी हैं। मैंने कहा था कि वो निर्दोष हैं और मैं भी निर्दोष हूं। इनका मकसद ही है मीडिया में हमें बदनाम करना

है। यह सब रिकॉर्ड किया जाना चाहिए ताकि सीबीआई सूत्रों के जरिए यह सब मीडिया में लीक न हो जाए। सीबीआई के दावों पर दिल्ली सीएम ने कहा कि इन्होंने सिर्फ मंशा के बारे में पूछा था। मैंने कहा था कि शराब नीति रेवन्यू बढ़ाने को लेकर शुरू की गई थी। शराब के ठेकों पर लंबी-लंबी लाइनें होती थीं। मैंने सिसोदिया को बुलाकर निर्देश दिए थे। इसके बाद इन्होंने पूछा कि शराब के ठेकों के निजीकरण का किसी का आइडिया था। मैंने कहा कि मेरा आइडिया नहीं था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मनीष सिसोदिया बिल्कुल निर्दोष हैं। मैंने इन्हें कल बताया था कि ये बेतुके आरोप हैं।

बीजेपी ने जो काम महाराष्ट्र में किया वही पंजाब में कर रही

अकाली दल नेता हरसिमरत कौर का मोदी सरकार पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने जो महाराष्ट्र में किया, वही वो पंजाब में साजिश रचने की कोशिश कर रही है, लेकिन केंद्र सरकार अपने इस मंसूबे में कामयाब नहीं होगी। कौर ने कहा कि पूरा शिरोमणि अकाली दल एकजुट है और सुखबीर बादल के साथ खड़ा है। भाजपा के कुछ पिट्ठू शिरोमणि अकाली दल को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हरसिमरत कौर ने कहा कि जो बीजेपी ने जो महाराष्ट्र में किया, वही वो पंजाब में करने जा रही है लेकिन पूरी पार्टी सुखवीर सिंह बादल जी के साथ मजबूती से खड़ी है। लेकिन बीजेपी अपनी इस साजिश में पूरी तरह से नाकाम होगी। कौर ने कहा कि 117 नेताओं में से केवल 5 नेता सुखबीर बादल के खिलाफ हैं, जबकि 112 नेता पार्टी और सुखबीर बादल के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा कि जो पांच लोग विरोध में हैं, यह सभी बीजेपी के साथ हैं या उनके संपर्क में हैं। अकाली दल की सांसद ने उन पांच लोगों के बारे में भी बताया, जो सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ है और बीजेपी के साथ हैं या फिर उनके संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि जो पांच लोग हैं, उनमें से एक ने बीजेपी के कैंडीडेट बनकर लोकसभा चुनाव लड़ा। दूसरे को भी बीजेपी ने चुनाव लड़वाया था, जो तीसरे हैं उनके भाई बीजेपी के साथ हैं और जो चौथे हैं वो बीजेपी के साथ ज्वाइन करने के लिए अंदर-बाहर होते रहे। उन्होंने कहा कि यह सभी बीजेपी के पिट्ठू हैं, जो यह कर रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में सेना का ऑपरेशन, एक आतंकी ढेर

- 11-12 जून को लगातार दो हमलों में 7 सुरक्षाबल घायल हुए थे, तभी से सर्चिंग जारी थी

डोडा (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के गंडोह इलाके में बुधवार को सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया। सुबह 2-3 आतंकियों के इलाके में छिपे होने की सूचना के बाद से पुलिस और सेना का सर्च ऑपरेशन जारी था, जिसके बाद एनकाउंटर शुरू हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 11 और 12 जून को डोडा में दोहरा आतंकवादी हमला हुआ था। इसके बाद से सेना, सीआरपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस गहन सर्च ऑपरेशन चला रहा है। आज सुबह 2-3 आतंकियों के सिनू पंचायत के गांव में छिपे होने की सूचना मिली थी। इसी दौरान ढोक (मिट्टी से बना घर) से आतंकियों ने टीम पर गोलीबारी की। अधिकारी ने आगे बताया सुबह 9.50 बजे एनकाउंटर शुरू हुआ है।

केरल में सीपीएम ने मुस्लिम लीग के विरोध में खोला मोर्चा

- हार के बाद मुखर हुई पार्टी, सांप्रदायिक बताकर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में हुए लोकसभा चुनावों में केरल की सत्ताधारी पार्टी लेफ्ट की करारी हार हुई थी। दूसरी ऐसे में अब एलडीएफ की लीडरशिप वाली लेफ्ट सरकार ने यडीएफ की घटक दल इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस की सहयोगी पार्टी राज्य में दक्षिणपंथी मुस्लिम संगठनों का चेहरा बन गई है। लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन की समीक्षा के दौरान लेफ्ट ने दावा किया कि प्रतिबंधित संगठन की राजनीतिक शाखा एसडीपीआई, पीएफआई और जमात-ए-इस्लामी ने यूडीएफ की जीत सुनिश्चित करने के लिए कांग्रेस और आईयूएमएल के साथ मिलकर कांग्रेस को समर्थन दिया था, जिसका खामियाजा लेफ्ट को भुगतना पड़ा है। एलडीएफ गठबंधन का नेतृत्व करने वाली सीपीआई(एम) ने इसके खिलाफ अपना कड़ा रुख अपनाया था। सीएए को एलडीएफ ने चुनाव का मुख्य मुद्दा बनाया था, जिसका उद्देश्य मुस्लिम मतदाताओं को लुभाना भी था। हालांकि इससे पार्टी को चुनावी लाभ नहीं मिला, जो राज्य की 20 में से यूडीएफ की 18 सीटें हार गई है और एक ही सीट जीत पाई। इसके अलावा एक त्रिशूर की सीट बीजेपी के सुरेश गोपी जीत गए। आईएमयूएल के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए सीपीएम (एम) ए विजयराघवन ने सोमवार को मलप्पुरम में कहा कि मुस्लिम लीग की सांप्रदायिक ताकतों से हाथ मिलाने के लिए आलोचना की जा रही है। सीपीआई (एम) के प्रति आईयूएमएल का दृष्टिकोण एसडीपीआई और जमात-ए-इस्लामी जैसा ही है। आईयूएमएल असल में कट्टरपंतियों की संगठनों का नेतृत्व करने वाला संगठन है। खास बात यह है कि मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने भी अब आईयूएमएल पर उसके सांप्रदायिक रुख को लेकर हमला बोल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और आईयूएमएल ने वोटों के लिए सांप्रदायिक ताकतों से हाथ मिला लिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

टकराव से शुरुआत

लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर सरकार व विपक्ष के बीच टकराव की स्थिति अठारहवीं लोकसभा की सुखद शुरुआत नहीं कही जा सकती। सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव अलायन्स (इंडिया) की तरफ से के सुरेश के नामांकन दाखिल करने के साथ ही सर्वसम्मति से लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने की एक स्वस्थ परंपरा के आगे सवाल खड़ा हो गया है। 'इंडिया' ब्लॉक को शायद यह उम्मीद थी, बल्कि शिव सेना जैसा उसका घटक दल तो खुलकर बोल भी रहा था कि यदि टीडीपी के किसी सांसद का नाम सत्तारूढ़ खेमे की ओर से इस पद के लिए प्रस्तावित किया जाता है, तो वे उसका समर्थन कर सकते हैं, पर जिस तरह पिछली सरकार के अहम चेहरों को नई सरकार में उनकी पुरानी भूमिका सौंपी गई, उसे देखते हुए यह लगने लगा था कि ओम बिरला का नाम ही फिर लोकसभाध्यक्ष पद के लिए आगे किया जाएगा। ऐसा ही हुआ। बिरला राजस्थान से तीसरी बार भाजपा के टिकट पर लोकसभा पहुंचे हैं, तो उनके सामने खड़े के सुरेश आठवीं बार कांग्रेस सदस्य के रूप में केरल से चुनकर आए हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि अठारहवीं लोकसभा के अंकगणित ने विपक्ष को भरपूर हौसला दिया है। पिछले दो सदनों में तो आधिकारिक रूप से कोई नेता प्रतिपक्ष ही नहीं था। यहां तक कि पिछली लोकसभा बिना उपाध्यक्ष पद के खत्म हो गई। लगभग हर सत्र में विपक्ष इस पद पर नियुक्ति की मांग करता रहा, पर उसकी मांगें अनसुनी कर दी गईं। मगर इस बार विपक्ष के तेवर से साफ लगता है कि वह सत्ता पक्ष के आगे चुनौती पेश करता रहेगा। मगर इस दांव-पेच में अच्छी लोकतांत्रिक परंपराओं की अवहेलना नहीं होनी चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष को यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत का संसदीय लोकतंत्र तभी सुर्खरू होगा, जब पिछले साढ़े सात दशकों में हमने जो स्वस्थ परंपराएं विकसित की हैं, उनको और मजबूती दी जाए, बल्कि हमारी संसद अपने कृत्यों से व्यापक भारतीय समाज को सामंजस्य व समावेशिता का पाठ पढ़ाए। निस्संदेह, लोकसभाध्यक्ष या विधानसभाध्यक्ष का पद काफी अहम होता है और इस मौकापरस्त दौर में कोई भी सत्तारूढ़ पार्टी, खासकर जिसके पास अपने तईं सदन में बहुमत न हो, कभी नहीं चाहेगी कि किसी अन्य दल का सदस्य इस पद पर आरूढ़ हो जाए। हाल के वर्षों में विभिन्न विधानसभाध्यक्षों की भूमिका जिस कदर संदिग्ध दिखी और बार-बार उनके फैसले जिस तरह शीर्ष अदालत में पहुंचे, ऐसे में स्वाभाविक है कि भाजपा कोई भी जोखिम नहीं मोल लेना चाहती। मगर किसी भी सत्तारूढ़ दल की ऐसी मजबूरी अपने आप में हमारी वर्तमान राजनीति पर एक कटु टिप्पणी है, क्योंकि हमारे पास कई अच्छी मिसालें हैं। हम याद कर सकते हैं कि चौथी लोकसभा के अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होते ही नीलम संजीव रेड्डी ने किस तरह कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया था या मनमोहन सिंह सरकार के पहले कार्यकाल में लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने अपनी पार्टी के सियासी रुख के विपरीत अपना सांविधानिक दायित्व निभाया था। पहले भी जीएमसी बालयोगी, मनोहर जोशी जैसे लोकसभाध्यक्ष सबसे बड़ी पार्टी के नुमाइंदे नहीं थे। इस आम चुनाव ने भारतीय राजनीति के कई समीकरणों को बदला है। इसलिए चुनौती अब दोनों पक्षों के आगे है कि वे जनता की नजरों में अपने-अपने कदमों का औचित्य किस तरह साबित करेंगे।

आज का राशिफल

मेष — जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन — आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क — राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या — व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला — व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर — रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन — गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

उपलब्धि : योग दिवस पर एक ही दिन में बने कई विश्व रिकॉर्ड

(लेखक - योगेश कुमार गोयल)

योग का भारत में संस्कृति के साथ सदियों पुराना जुड़ाव है बल्कि यूं भी कह सकते हैं कि भारत में योग की शुरूआत भारतीय संस्कृति के साथ ही जुड़ी है। भारत ने पूरी दुनिया को योग करना सिखाया है और भारत के कारण ही दुनिया के तमाम देश अब योग की महत्ता को समझने लगे हैं। करीब 5000 वर्ष पहले भारत से शुरू हुई योग की परंपरा शरीर और मन के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन प्राप्त करने के लिए शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अनुशासन को जोड़ती है। 'योग' शब्द संस्कृत से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'जुड़ना' अथवा 'एकजुट होना', जो शरीर और चेतना के मिलन का प्रतीक है। भारत की प्राचीन परंपराओं में गहराई से निहित योग वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को वैश्विक मान्यता मिलने के बाद से पिछले 10 वर्षों में योग दिवस पर कई रिकॉर्ड बने हैं। 2015 से लेकर अब तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के नाम कई रिकॉर्ड 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज हो चुके हैं। 2015 में पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिल्ली में राजपथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कुल 35985 भारतीयों ने एक साथ योग करके सबसे बड़े योग सत्र का पहला विश्व रिकॉर्ड बनाया था जबकि दूसरा रिकॉर्ड एक ही स्थान पर योग सत्र में कुल 84 देशों के भाग लेने पर बना था। योग को लेकर एक विश्व रिकॉर्ड तब बना था, जब 2018 में राजस्थान के कोटा में करीब 1.05 लाख लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया था। 2023 में दुनियाभर से कुल 23.4 करोड़ लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेकर भी विश्व रिकॉर्ड कायम किया था, वहीं 2023 में ही गुजरात के सूरत में योग दिवस कार्यक्रम में योग सत्र में 1.53 लाख लोगों ने एक साथ हिस्सा लेकर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उस योग कार्यक्रम के लिए करीब 300 मीटर चौड़ी दो सड़कों के 4 किलोमीटर लंबे हिस्से को योग प्रतिभागियों कालीन से ढ़का गया था। उससे पहले यह रिकॉर्ड 2018 में राजस्थान के कोटा शहर के नाम दर्ज था, जहां योग सत्र में करीब एक लाख लोग जुटे थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इस वर्ष तो कई रिकॉर्ड बने। देश-विदेश में फैली आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज ने भी इस अवसर पर एक नया रिकॉर्ड कायम किया। ब्रह्माकुमारीज के आबूरोड़ स्थित अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय के साथ 140 देशों में फैले इसके 9000 केंद्रों पर करीब एक करोड़ लोगों ने एक साथ योग किया जबकि आबूरोड़ स्थित मुख्यालय पर 10 हजार लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। वहीं, हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में तो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक नया इतिहास रचा गया। 'अक्षर योग केंद्र' ने 5 विशिष्ट योगासनों का वैश्विक मानकों पर सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए और 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित इस स्पर्धा के जरिये योग की सार्वभौमिक अपील यानी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए इसके गहन लाभों का संदेश पूरी दुनिया देने का प्रयास किया गया। इन पांच वैश्विक कीर्तिमान स्थापित करने वाले आसनों में नौकासन, कौंडिन्य आसन (ऋषि कौंडिन्य मुद्रा), चक्रासन, भगवान शिव की एक मुद्रा नटराजासन, पांच मिनट तक लगातार सूर्य नमस्कार का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।

हालांकि अक्षर योग केंद्र ने त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड, बेंगलुरु में प्रभावशाली वैश्विक भागीदारी में सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार करने की योग की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए कुल सात आसनों के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए प्रयास किया था लेकिन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने सभी मानकों का अध्ययन करने के बाद इनमें से पांच आसनों में रिकॉर्डों को मान्यता प्रदान की जबकि दो आसनों पर रिकॉर्ड की मान्यता अभी समीक्षाधीन है, जिन्हें विचार के लिए लंदन भेजा जाएगा। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के वरिष्ठ निर्णायक स्वप्निल डांगरीकर और ऋषिनाथ के मुताबिक 5 रिकॉर्ड सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। इसकी पुष्टि करते हुए स्वप्निल डांगरीकर का कहना था, ''मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि टीम अक्षर योग केंद्र ने सफलतापूर्वक 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड खिताब स्थापित किए हैं और मुझे याद नहीं आता कि मैंने एक ही दिन में इतने सारे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रमाणपत्र दिए हैं।''

अक्षर योग केंद्र द्वारा ये विश्व रिकार्ड बनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें छात्र, अनाथालयों के बच्चे, व्यापारिक समुदाय के सदस्य और कॉरपोरेट घराने भी शामिल थे। इसमें भाग लेने वाले एनसीसी ग्रुप 'ए' बेंगलुरू के 1200 से अधिक एनसीसी कैडेटों का भी विशेष योगदान रहा। उनके साथ उप महानिदेशक, एनसीसी डीटीई कर्नाटक और गोवा, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय 'ए' बेंगलुरु, कमांडिंग ऑफिसर, एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, ग्रुप 'ए' एनसीसी बटालियन के स्थायी प्रशिक्षक भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा थे। इस गरिमामय समारोह में 20 से अधिक विभिन्न देशों के प्रतिभागी शामिल हुए थे। हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के अनुसार योग दिवस के मौके पर ये रिकॉर्ड बनाने का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर योग के असंख्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दुनियाभर के लोगों को समग्र स्वास्थ्य और आंतरिक शांति के लिए इस अभ्यास को एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। हिमालयन सिद्ध अक्षर के नेतृत्व में इस अवसर पर योग के गहन प्रभावों पर भी प्रकाश डाला गया, साथ ही समर्पित अभ्यास के माध्यम से अनुशासन का प्रदर्शन किया गया।

उल्लेखनीय है कि शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित अक्षर योग केंद्र इसके विविध लाभों को प्रदर्शित करने के लिए नियमित रूप से फिटनेस शिविर, मुद्रा कार्यशालाएं और ध्यान सत्र आयोजित करता है। हिमालयन सिद्ध अक्षर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित एक आध्यात्मिक योग गुरु हैं, जो अक्षर योग केंद्र के संस्थापक, अध्यक्ष, पाठ्यक्रम निदेशक, विश्व योग संगठन के अध्यक्ष तथा अंतरराष्ट्रीय सिद्ध फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। योग गुरु अक्षर का कहना है कि योग शरीर, मन और आत्मा का एक अभिन्न अंग है। योग इन तत्वों को एकजुट करता है और मानवता के लिए एक अनमोल उपहार के रूप में कार्य करता है। एक साथ पांच विश्व रिकॉर्ड कायम करने की उपलब्धि को लेकर उनका कहना है कि यह अविस्मरणीय घटना वास्तव में लोगों के लिए एक आशीर्वाद है, जो उन्हें योग के अभ्यास को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। यह दुनियाभर में एक शक्तिशाली संदेश भेजती है, जिससे हर किसी को योग के गहन महत्व और इसके लाभों का अहसास होता है। इसके अलावा यह उपलब्धि हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती है, साथ ही समग्र स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को भी मजबूत करती है।

अक्षर योग केंद्र द्वारा एक साथ बनाए गए पांच विश्व रिकॉर्ड के अलावा एशियन योग चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता 20 वर्षीया भूमि तिवारी ने भी जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट और भारतीय आदर्श योग संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में मोती महल के लॉन में आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के दौरान 'रामदूत आसन' की मुद्रा को निरंतर 35 मिनट और 27 सैकेंड तक बनाए रखते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। भूमि के मुताबिक 'रामदूत आसन' में पैरों को विपरीत दिशाओं में सबसे ज्यादा फैलाना और फिर सामने वाले पैर की उंगलियों को छूने के लिए झुकना होता है और यह सबसे कठिन, 'डी' श्रेणी का आसन है, जिसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 0.9 अंक प्राप्त हुआ है। भूमि तिवारी द्वारा बनाए गए इस नए रिकॉर्ड की सूचना 'योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिल' को दी गई है।

(लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वृक्षारोपण बहूत ज़रूरी है

(लेखक - -संजय गोस्वामी)

वृक्ष आपको चैन की सांस दे सकता है। चूँकि वन हमारी भूमि के फेफड़े हैं। पेड़ हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन उत्सर्जित करते हैं। अधिक वृक्षारोपणऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है वृक्षों ने हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीजें खाना और ऑक्सीजन दिया है। न सिर्फ यह दो चीज बल्कि वृक्षों के कारण ही हमें रहने को घर, दवाइयाँ, और कई प्रकार के अन्य औज़ार प्राप्त होते हैं। आज विश्व भर में बढ़ते जनसंख्या के कारण और लोगों द्वारा पेड़ो को काटने के कारण आज पेड़ो की आवश्यकता बढ़ते चले जा रही है। इस आधुनिक युग के जीवन काल के कारण मनुष्य पेड़ो को बहुत तेज़ी से काट रहे हैं जिसके कारण आने वाले कुछ वर्षों में मनुष्य को बहुत सारे कठिनाइयों से गुज़रना पड़ सकता है। पेड़-पौधे हर समाज के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। हमारे आस-पास के जगहों जैसे गलियों, पार्क, खेल के मैदान, और बगीचे में पेड़ पौधे स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं और वातावरण को हरा-भरा और शांत रखते हैं। वृक्षों से आस-पास का वातावरण सुन्दर और स्वच्छ रहता है जिससे जीवन जीने का स्तर बढ़ जाता है। पेड़-पौधों की छाव में अपने परिवार के साथ बैठ कर समय बिताने का एक अलग ही आनंद होता है। साथ ही शहरी क्षेत्रों में सड़क के दोनों तरफ पेड़ पौधे लगाने से सूरज की किरण को पेड़ रोकते हैं जिससे गर्मी के महीनों में शहर का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। पेड़-पौधें मनुष्य को स्वच्छ वायु और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, साथ ही जलवायु सुधार, जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण, और वन्य जीवन की सुरक्षा करते है। प्रकाश संश्लेषण या फोटोसिंथेसिस प्रोसेस के दौरान पेड़ पौधे कार्बन डाइऑक्साइड ले लेते हैं और ऑक्सीजन को छोड़ते हैं। यही ऑक्सीजन मनुष्य को सांस लेने और जीवित रहने में मदद करता है। अमेरिका के कृषि अनुसंधान विभाग का कहना है की एक एकड़ जंगल से लगभग 6 टन कार्बन डाइऑक्साइड खत्म होता है और 4 टन ऑक्सीजन वायु को पेड़ो के माध्यम से प्राप्त होता है। इतने ऑक्सीजन से 18 से 20 लोग आराम से 1 वर्ष तक जीवित रह सकते हैं। साथ ही पेड़ पौधे, गाड़ियों और कारखानों से उत्पत्ति होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड गैस को भी खींच लेते हैं और ऑक्सीजन में बदल देते हैं। गर्मी के महीनों में लंबे वृक्ष सूरज की तपती किरण को धरती तक पहुंचने से रोकते है जिससे धरती का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। बारिश के महीने में पेड़-पौधे के जड़ मजबूती से मिट्टी को पकड़ कर रखते हैं इससे मृदा अपरदन नहीं हो पाता है। ना सिर्फ धरती के ऊपर बल्कि धरती के अंदर के पानी को भी पेड़ पौधों के जड़ पकड़ कर रखते हैं जिससे बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा नहीं हो पाती है। प्रति वर्ष कई टन पत्ते पेड़ों से गिरते हैं जिनसे अगर हम चाहें तो प्राकृतिक खाद बना सकते हैं। कई जीव-जंतु जैसे बकरी, हाथी, कोआला, बंदर, जिराफ आदि अपना पूरा जीवन पेड़ पौधों के पत्ते खाकर गुजारते हैं। कई लाख प्रजाति के पक्षी पेड़-पौधों पर रहते हैं। हर कोई व्यक्ति पेड़ पौधों को इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि पेड़ पौधे देखने में बहुत ही सुंदर और अद्भुत होते हैं। सभी पेड़ पौधे देखने में सुंदर और अपनी जगह एक अलग ही रूप रंग और आकार के होते हैं। हमारे देश भारत में वृक्षों की पूजा की जाती है और उन्हें भगवान का दर्जा दिया जाता है। कुछ महत्वपूर्ण पेड़ पौधे जैसे बरगद, पीपल, आम, बेल, केला कुछ आसान उदाहरण है जिनका हमारे देश में बहुत ही अधिक आध्यात्मिक मूल्य है। पेड़ पौधे हमारे जीवन और पर्यावरण में एक शांत और आरामदायक वातावरण को बनाये रखते हैं। आज के इस आधुनिक युग में जब हर जगह नए शहर बन रहे हैं और घर बन रहे हैं ऐसे में पेड़ पौधों का व्यावसायिक मूल्य बहुत ही अधिक हो चुका है। आज भी विश्व के कई हिस्सों मैं लकड़ी को खाना पकाने के रूप में सबसे पहला ईंधन माना जाता है। पेड़ से हमारा घर बनता है, फर्नीचर मिलता है, कई प्रकार के औजार बनते हैं पर लाखों छोटे-मोटे उपयोगी घरेलू चीजें बनती है। पेड़ पौधों से हमें खाने के लिए फल, बादाम भी मिलते हैं जो इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। कुछ पेड़ो के अंदरुनी भाग से लैटेक्स प्राप्त होता है जिससे रबर बनाया जाता है। इसे लाखों महत्वपूर्ण रोज़ के कार्य हैं जो पेड़-पौधों के बिना असंभव हैं। आज मनुष्य स्वयं के स्वार्थ के लिए पेड़ो को तेजी से कटता चले जा रहा है। अत्यधिक पेड़ काट देने के कारण ग्लोबल वार्मिंग, एसिड बारिश और ग्रीन हाउस इफ़ेक्ट जैसे मुश्किलों का सामना मनुष्य को करना पड़ रहा है। आज पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़-पौधों को बचाना बहुत ही आवश्यक हो गया है। धीरे-धीरे पूरे विश्व भर की जनसंख्या बढ़ती चली जा रही है जिसके कारण लोगों को रहने के लिए नए घर बनाने पढ़ रहे हैं और इसी कारण पेड़ो को बहुत तेजी से काटा जा रहा है। कई जगहों पर बड़े-बड़े कल कारखाने बनाने के लिए लोग बड़े-बड़े जंगलों को साफ कर रहे हैं जो की आने वाले समय में कई प्रकार के प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकता है। शहरी इलाकों में पेड़ो की कमी के कारण गाड़ियों से निकलने वाला प्रदूषित वायु आसमान में ही मंडराता रहता है। सोचने की बात यह है कि कहीं कोई ऐसा दिन ना आ जाए जिससे मनुष्य को ऑक्सीजन की कमी होने लगे क्योंकि पेड़ पौधे ही पर्यावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को लेकर हमें ऑक्सीजन देते हैं। अगर कोई एसा दिन आया तो वह मनुष्य का अंत होगा और उसका कारण मनुष्य द्वारा फैलाया हुआ प्रदुषण और पेड़ों की कटाई होगा। कबीर दास का दोहा है- वृक्ष कबहुं न फल भखै, नदी न संचय नीर, परमार्थ के कारने साधु न धरा शरीरज जिसका अर्थ है कि साधु का स्वभाव परोपकारी होता है, जैसे वृक्ष कभी अपना फल स्वयं नहीं खाता है और नदी जिस प्रकार से स्वयं के नीर का संचय नहीं करती है।ऐसे दिन को कभी भी ना आने देने के लिए आज हम सभी को यह प्रण लेना होगा कि हम किसी को भी पेड़ काटने नहीं देंगे और प्रति महीने एक पौधा अपने मोहल्ले में ज़रूर लगाएंगे।

विचार मंथन

163 वर्ष पुरानी ताजीरात-ए-हिंद के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता

(लेखक - सनत जैन)

163 वर्ष पुराने अंग्रेजों के बनाए कानून ताजीरात-ए-हिंद अब इतिहास की वस्तु बन जायेगा। इसके स्थान पर 1 जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता लागू हो जाएगी। 1860 का अंग्रेजों का बनाया हुआ दंड संहिता का कानून लागू था। उसमें बहुत सारे शब्द उर्दू के थे। पुलिस जब भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत कार्रवाई करती थी। वह भी सैकड़ों वर्ष पुरानी अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था के अनुसार थी। भारतीय न्याय संहिता के नए कानूनों में उनके स्थान पर अब नए शब्द शामिल किए गए हैं। जो नए कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो रहे हैं। उसमें काफी परिवर्तन किए गए हैं। जिसके कारण पुलिस को प्रशिक्षित करने की जरूरत पड़ रही है। न्यायालय और अधिवक्ताओं को भी नए कानून के अनुसार सारी चीजों को समझाना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में नए कानून होने के कारण वादी, प्रतिवादी, पुलिस, जांच एजेंसियों, अधिवक्ताओं और न्यायालयों को नए कानून और उसकी प्रक्रिया को समझने में काफी वक्त लगेगा। इसका असर कहीं ना कहीं न्यायालयीन कार्रवाई पर पडना तय है। अधिवक्ताओं के अनुसार हत्या, दुष्कर्म, चोरी, मानहानि, 420 और मोटर व्हीकल एक्ट जैसे मामलों की धाराओं में परिवर्तन किया गया है। आजादी के पूर्व भारतीय दंड विधान बन चुका था। समय-समय पर इस पर संशोधन भी होते रहे हैं। फिर भी कुछ कारणों से भारतीय दंड संहिता में कहीं ना कहीं गुलामी जैसे शब्द भी देखने को मिलते थे। न्यायालयीन प्रक्रिया में अंग्रेजी शासन जैसी छाप भी देखने को मिलती थी। जिससे गुलामी का आभास होता था। 163 वर्षों में भारतीय दंड संहिता में लगभग 75 संशोधन किए गए थे। इसमें अधिकांश संशोधन आजादी के बाद हुए थे। पिछले दो-तीन दशकों में तेजी के साथ हुए विकास क्रम में नए-नए कानून का निर्माण करना पड़ है। डिजिटल तकनीक का उपयोग भी कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए होने लगा है। संचार माध्यमों की भी एक नई भूमिका न्यायालय एवं जांच व्यवस्था में आ गई है। इन्हें एक स्वरूप में लाना चुनौतीपूर्ण कार्य था। मोदी सरकार ने भारतीय न्याय संहिता में इसका समावेश करने का प्रयास किया है। समय-समय पर इस तरीके के संशोधन करना समय की मांग होती है। भारतीय न्याय संहिता का पहला उद्देश्य पीड़ित नागरिक को न्याय दिलाना, मुख्य उद्देश्य होता है। भारतीय दंड संहिता में पहले 511 धाराएं थी। भारतीय न्याय संहिता में अब 358 धाराएं रह गई हैं। 20 नए अपराध भारतीय न्याय संहिता में जोड़े गए हैं। भारतीय दंड संहिता के 19 प्रावधानों को हटाया गया है। 33 अपराधों की सजा बढ़ाई गई है। 83 अपराधों में जुरमाने की सजा को भी बढ़ाया गया है। 23 तरह के अपराधों में सामुदायिक सजा का प्रावधान किया गया है। राजद्रोह का नाम बदला गया है। पुलिस के अधिकार बढ़ाए गए हैं। नागरिकों को सुलभ न्याय मिले इसके प्रावधान किए गए हैं। न्यायालय से जल्दी मामलों का निपटारा हो,इसका भी नए कानूनो में ध्यान रखा गया है। तीन नए कानून में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम में नए प्रावधान किए गए हैं। नए कानून लागू होने के पहले ही इनका विरोध होना शुरू हो गया है। मोटर परिवहन एक्ट में जिस तरह के बदलाव किए गए हैं, उसके बाद सड़क पर गाड़ी चलाना वाहन चालकों के लिए बहुत मुश्किल होगा। पुलिस अभी किसी आरोपी को अपनी हिरासत में लेती थी। उसे 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के पास पेश करना होता था। इस अवधि को बढ़ा दिया गया है। जिसके कारण पुलिस को हिरासत में रखने के अधिक अधिकार मिल गए हैं। इस प्रावधान के कारण नागरिकों का उत्पीड़न भी हो सकता है। वहीं कुछ कानून कड़े कर दिए गए हैं। पुलिस बिना किसी सबूत, केवल आरोप के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज सकती है। कुछ मामलों में अदालत के अधिकार भी सीमित किए गए हैं।

भारतीय न्याय संहिता जब संसद से स्वीकृत हुईं थी। उस समय संसद में गुण- दोष के आधार पर चर्चा नहीं हुईं। जल्दबाजी में यह कानून, संसद से पास कर दिए गए थे। अब नई संसद का गठन हो चुका है। विपक्ष इस बार पिछली बार की तुलना में ज्यादा मजबूत होकर सदन में आया है। 1 जुलाई को जब यह कानून लागू होंगे। उसके बाद इन कानून की सदन पर भी चर्चा हो सकती है। मोटर व्हीकल एक्ट को लेकर संशोधन की आवश्यकता कानून लागू होने के पहले ही बन गई थी। आशा की जाती है, जल्द से जल्द भारतीय न्याय संहिता में जो प्रावधान किए गए हैं। उन्हें और भी न्यायोचित और युक्तिसंगत बनाया जाना चाहिए। नागरिकों के मौलिक अधिकार संरक्षित हों। पुलिस की दखलंदाजी कम से कम हो। नागरिकों को न्याय जल्द से जल्द मिले।

क्रांति समय

गुरुवार 27-जून-2024

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलआईसी को क्यों जारी करनी पड़ी चेतावनी

मुंबई । देशभर में भारतीय जीवन बीमा निगम के करोड़ों पॉलिसीधारक हैं। इन सभी ग्राहकों के हित में एलआईसी ने जरूरी चेतावनी जारी की है। एलआईसी ने अपने पॉलिसी होल्डर्स को उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़े गैर अधिकृत ट्रांजेक्शन को लेकर सतर्क किया है। दरअसल यह सूचना उन रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद जारी हुई है, जिसमें कहा गया था कि कुछ कंपनियां पॉलिसी सरेंडर करने के नाम पर एलआईसी पॉलिसी होल्डर्स से पॉलिसी हासिल करना चाहती हैं। दरअसल ऐसी खबरें सामने आई हैं, जिसमें लोगों को अच्छी रकम देने का भरोसा दिलाकर उनकी मौजूदा एलआईसी इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने का लालच दिया जा रहा है। इसके बाद लोग अपनी बीमा पॉलिसी कंपनियों को सरेंडर नहीं करके, उन्हें गलत तरीके से बेच रहे हैं। इस मामले पर एलआईसी ने अपनी स्थिति साफ की है। एलआईसी ने बयान जारी कर कहा, एलआईसी ऐसी किसी यूनिट, या संस्थाओं द्वारा पेश किए जा रहे प्रोडक्ट्स और/या सर्विसेज से संबद्ध नहीं है। हम सभी पॉलिसीधारकों से आग्रह करते हैं कि वे अपनी पॉलिसी पर कोई भी निर्णय लेने से पहले पूरी सावधानी बरतें, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा और उनके परिवार के लिए जोखिम कवर खतरे में पड़ सकता है। किसी भी ऑफर का जवाब देने से पहले, कृपया हमारी शाखाओं में किसी भी एलआईसी अधिकारी से परामर्श लें।

दूसरी तिमाही में 16 फीसदी बढ़ी ऑफिस की मांग

नई दिल्ली। देश में ऑफिस की मांग भी जोर पकड़ रही है। इस साल प्रमुख शहरों में दूसरी तिमाही में ऑफिस की मांग में 16 फीसदी बढ़ी है। इस साल ऑफिस की मांग 5 करोड़ वर्ग फुट के पार जा सकती है। यह तीसरा साल होगा, जब ऑफिस की मांग इस स्तर को पार करेगी। संपत्ति सलाहकार फर्म की रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 की दूसरी तिमाही में ऑफिस मार्केट ने अच्छा प्रदर्शन कर 6 प्रमुख शहरों में 1.58 करोड़ वर्ग फुट ऑफिस की मांग दर्ज की गई। यह पिछली तिमाही यानी इस साल की पहली तिमाही से 16 फीसदी ज्यादा है। इन 6 शहरों में से 4 शहरों में ऑफिस की मांग में 20 फीसदी से ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी तिमाही में सबसे अधिक मांग बेंगलूरु में 48 लाख वर्ग फुट दर्ज की गई। इसके बाद 35 लाख वर्ग फुट मांग मुंबई में देखी गई। इन दोनों शहरों की मांग कुल मांग की आधी से भी ज्यादा रही। मुंबई में ऑफिस की मांग में 119 फीसदी और बेंगलूरु में 41 फीसदी इजाफा हुआ। फर्म प्रमुख ने कहा कि देश में ऑफिस की मांग लगातार बढ़ रही है। इस साल के पहले 6 महीने में 2.94 करोड़ वर्ग फुट आफिस की मांग दर्ज हुई है, जो पिछली समान अवधि से 19 फीसदी अधिक है।

100 अरब डॉलर बाजार वैल्यू का बैंक बना आईसीआईसीआई

नई दिल्ली । आईसीआईसीआई बैंक ने नया इतिहास रचा है। बैंक की मार्केट वैल्यू 25 जून को 100 अरब डॉलर (8.42 लाख करोड़ रुपए) के पार पहुंच गई। इसके साथ ही बैंक देश की 6वीं ऐसी कंपनी बन गई है, जिसकी मार्केट वैल्यू 100 अरब डॉलर से ज्यादा है। बैंक का स्टॉक साल 2024 में 20 फीसदी से ज्यादा बढ़ा है। पिछले एक हफ्ते में ही बैंक के शेयर लगभग 7 फीसदी ऊपर जा चुके हैं। निजी क्षेत्र के दिग्गज बैंक आईसीआईसीआई के स्टॉक में मंगलवार को भी तेजी देखने को मिली है। फिलहाल 100 अरब डॉलर क्लब में आईसीआईसीआई के अलावा 5 और कंपनियां भी शामिल हो चुकी हैं। आईसीआईसीआई बैंक के स्टॉक ने एक साल में करीब 30 फीसदी रिटर्न दिया है। इस 100 अरब डॉलर क्लब में 235 अरब डॉलर के मार्केट कैप के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज लिस्ट में टॉप पर है। टीसीएस (टीसीएस) का मार्केट कैप 166 अरब डॉलर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 156 अरब डॉलर और भारती एयरटेल का मार्केट कैप 101 अरब डॉलर है। साल 2021 में इस क्लब में शामिल हुई इंफोसिस का मार्केट कैप अब घटकर 80 अरब डॉलर से नीचे आ गया है। कुल 6 कंपनियां इस स्तर को पार कर चुकी हैं। मगर, सिर्फ 5 ही फिलहाल इस स्तर से ऊपर हैं।

फ्यूचर एंड ऑप्शंस से कमाई पर लग सकता है 30 फीसदी टैक्स, सरकार कर रही विचार

नई दिल्ली।

फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस ट्रेडिंग करने वालों के लिए एक बुरी खबर आई है। अब फ्यूचर एंड ऑप्शंस से होने वाली इनकम पर टैक्स चुकाना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार एफएंडओ ऑप्शंस से हुई इनकम को लॉटरी या क्रिप्टोकरेंसी से हुई कमाई मान सकती है। लॉटरी की कमाई पर ज्यादा टैक्स लगता है। यही स्थिति क्रिप्टोकरेंसी से हुई इनकम के साथ है। सरकार ने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस कारोबार में घाटे पर चिंता जताई थी। कई लोग एफएंडओ में पैसा लगा रहे हैं और उन्हें भारी नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार अब एफएंडओ से होने वाली कमाई को व्यापारिक आय की जगह सट्टेबाजी आय की कैटेगरी में लाने पर विचार कर रही है। इसका मतलब है कि एफएंडओ से होने वाले मुनाफे पर अब लॉटरी जीतने या क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से होने वाली कमाई जैसा ही 30 फीसदी का फ्लैट टैक्स लग सकता है। अगर यह बजट में पास हो जाता है, तो एफएंडओ में हुए घाटे को किसी और व्यापार से हुए मुनाफे से कम नहीं किया जा सकेगा। बल्कि एफएंडओ के घाटे को सिर्फ एफएंडओ के मुनाफे से ही घटाया जा सकेगा। इससे छोटे निवेशक ज्यादा परेशान हैं। उनका कहना है कि ये बदलाव उनके लिए अनुचित साबित होगा।

हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि ये कदम फायदेमंद हो सकता है क्योंकि हाल के कुछ सालों में एफ एंड ओ में छोटे निवेशकों की भागीदारी काफी बढ़ गई है। फ्यूचर्स और ऑप्शंस एक तरह का अनुबंध है। इसमें कम पूंजी लगाकर शेयरों, वस्तुओं या मुद्राओं में बड़ा दांव लगा सकते हैं । इससे ज्यादा मुनाफा कमाने का मौका मिलता है लेकिन जोखिम भी ज्यादा है। मुनाफा तेजी से तो बढ़ता है लेकिन घाटा भी उतना ही जल्दी हो सकता है।

हुंडई ने कोना इलेक्ट्रिक कार को वेबसाइट से हटाया

नई दिल्ली ।

कोना इलेक्ट्रिक कार को हुंडई मोटर्स ने अपनी वेबसाइट से हटा दिया है। हुंडई ने इसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन ऐसा लग रहा है कि कंपनी ने इसे बंद करने का फैसला किया है।कंपनी इसकी जगह पर क्रेटा ईवी को लेकर आ सकती है। कोना ईवी में दो बैटरी पैक मिलते हैं, जिसमें पहला 48.4 केडब्ल्यूएच और दूसरा 39.2केडब्ल्यूएच बैटरी पैक है। इसका बड़ा बैटरी पैक सिंगल चार्ज पर 490 किमी की डब्ल्यूएलटीपी साइकिल रेंज देता है। इसकी भारत में शुरुआती कीमत 23.84 लाख रुपये है और कंपनी इस पर ऑफर दे रही थी। हुंडई मोटर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तरुण गर्ग ने हाल ही में एक बातचीत में पुष्टि की थी कि उच्च मात्रा में बिक्री को लक्षित करने वाला उनके ब्रांड का पहला इलेक्ट्रिक वाहन जनवरी 2025 में लॉन्च किया जाएगा। ये अपकमिंग मॉडल क्रेटा ईवी ही होने वाला है, जिसे भारत के साथ-साथ विदेशों में भी कई बार परीक्षण करते हुए देखा गया है। बता दें कि भारत में कोना इलेक्ट्रिक को कभी अपडेट नहीं किया और यह ब्रांड द्वारा भारत में लाया गया पहला इलेक्ट्रिक वाहन था। हालांकि, पुराने इंटीरियर डिजाइन और ज्यादा महंगी होने के कारण इसे खास पसंद नहीं किया गया है।

स्पेक्ट्रम नीलामी 11,000 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ समाप्त

नई दिल्ली । मोबाइल रेडियो तरंग सेवाओं के लिए 96,000 करोड़ मूल्य की स्पेक्ट्रम नीलामी करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ समाप्त हुई। मोदी सरकार ने नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1,800 मेगाहर्ट्ज, 2,100 मेगाहर्ट्ज, 2,300 मेगाहर्ट्ज, 2,500 मेगाहर्ट्ज, 3,300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड की पेशकश की, जिसका आधार मूल्य 96,238 करोड़ रुपये है।नीलामी करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ समाप्त हुई है। उन्होंने बताया कि भारती एयरटेल नीलामी में सबसे बड़ी बोलीदाता के रूप में उभरी है। पिछली नीलामी 2022 में हुई थी जो सात दिन तक चली थी। उसमें 5जी दूरसंचार स्पेक्ट्रम की रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हुई थी, जिसमें अरबपति मुकेश अंबानी की जियो शीर्ष बोलीदाता के रूप में उभरी थी। उसने सभी रेडिया तरंगों का करीब आधा हिस्सा (88,078 करोड़ रुपये मूल्य) हासिल किया था। उस समय दूरसंचार दिग्गज सुनील मित्तल की भारती एयरटेल ने 43,084 करोड़ रुपये की सफल बोली लगाई थी, जबकि वोडाफोन-आइडिया ने 18,799 करोड़ रुपये में स्पेक्ट्रम खरीदा था।

ऊंची ब्याजदर से बाधित नहीं हो रही है आर्थिक वृद्धि

आरबीआई गवर्नर बोले-मौद्रिक नीति का ध्यान मुद्रास्फीति को कम करने पर रहेगा

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने कहा कि ऊंची ब्याज दर से आर्थिक वृद्धि को बाधित नहीं हो रही है। मौद्रिक नीति का ध्यान मुद्रास्फीति को कम करने पर रहेगा। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि देश आर्थिक वृद्धि के स्तर पर प्रमुख संरचनात्मक बदलाव की दहलीज पर है। देश उस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है जहां सालाना आधार पर 8 फीसदी वास्तविक जीडीपी वृद्धि बरकरार रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि आमतौर पर यदि वृद्धि दर अच्छी है तो इससे यह संकेत मिलते हैं कि आपकी मौद्रिक नीति और आपकी ब्याज दरें वृद्धि के रास्ते में बाधा नहीं बन रही है।

ऊंची ब्याज दर के कारण वृद्धि प्रभावित होने पर बहस के बीच आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ऐसी सभी चिंताएं निराधार हैं और वृद्धि की गति बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आरबीआई की नाउकास्टिंग टीम गतिशील तत्वों के आधार पर जून तिमाही के लिए जीडीपी वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है। यह केंद्रीय बैंक के अपने अनुमान 7.3फीसदी से ज्यादा है। गवर्नर ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि वित्त वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था आरबीआई के अनुमान 7.2 फीसदी की दर से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि एक अच्छी वृद्धि दर का परिदृश्य हमें मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित करने के लिए स्पष्ट रूप से गुंजाइश देता है।

गवर्नर दास ने आने वाले समय में मुद्रास्फीति में कमी लाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए शतरंज का उदाहरण दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि एक गलत कदम हमें राह से भटका सकता है। महंगाई पर मुस्तैदी से ध्यान देना जरूरी है क्योंकि मौसम की एक भी प्रतिकूल घटना मुद्रास्फीति को पांच फीसदी से ऊपर ले जा सकती है। उन्होंने कहा कि मौद्रिक नीति के तहत उठाए कदमों के कारण मुद्रास्फीति 2022 में 7.8 फीसदी के उच्चतम स्तर से कम होकर वर्तमान में 4.7 फीसदी रह गई है। उन्होंने कहा कि मूल्य वृद्धि का निम्न स्तर सतत वृद्धि तय कर सकता है।

दास ने कहा कि उच्च मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करती है, अर्थव्यवस्था को घरेलू और विदेशी निवेश दोनों के लिए प्रतिकूल गंतव्य बनाती है। सबसे महत्वपूर्ण, उच्च मुद्रास्फीति का मतलब लोगों, विशेषकर गरीब लोगों की क्रय शक्ति को कम करना होगा। उन्होंने कहा कि पिछले तीन साल में सरकारी व्यय से वृद्धि को गति मिल रही है। अब इस बात यह साफ होता है कि निजी

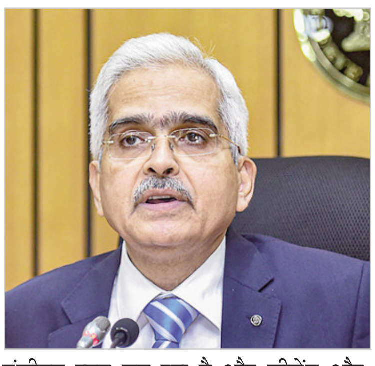

पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है और सीमेंट और इस्पात जैसे बुनियादी ढांचे से जुड़े क्षेत्रों में सबसे ज्यादा रुचि दिखाई दे रही है।

उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था तभी आगे बढ़ेगी जब कई क्षेत्रों में तेजी आएगी और उन्होंने वृद्धि को गति देने के लिए सभी क्षेत्रों पर जोर देने की बात कही। आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन समेत कुछ विशेषज्ञों के भारत की वृद्धि के लिए सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने की बात कहे जाने के बीच उन्होंने यह बात कही है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि भारत जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था अपनी वृद्धि महत्वकांक्षा को हासिल करने के लिए विनिर्माण या सेवा में से किसी एक पर निर्भर नहीं रह सकती है।

अयोध्या में टाटा समूह बनाएगा टेंपल म्यूजियम

योगी सरकार ने 1 रुपये लीज पर दी जमीन

लखनऊ ।

22 जनवरी 2024 को राम मंदिर का उद्घाटन होने के बाद से अयोध्या का नाम विश्व पटल पर फिर छा गया है। तमाम बड़ी-बड़ी कंपनियां यहां होटल और रियल एस्टेट डेवलपमेंट करने में जुटी हैं। रातोंरात अयोध्या की जमीनों के रेट कई गुना बढ़ गए। इस बीच खबर है कि यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार ने टाटा समूह की कंपनी टाटा संस को महज 1 रुपये सालाना किराए पर जमीन दी है। फैसले पर योगी सरकार की कैबिनेट ने भी मुहर लगा दी है। योगी सरकार के पर्यटन विभाग ने टाटा संस को 1 रुपये सालाना किराए पर 90 साल के लिए जमीन की लीज दी है। जमीन पर टाटा संस टेंपल म्यूजियम यानी मंदिरों का अजायबघर बनाएगी। टाटा संस ने कहा है कि अपने कॉरपोरेट सोशल रेस्पॉसिबिलिटी (सीएसआर) फंड से 650 करोड़ खर्च कर टेंपल म्यूजियम बनाएगी। यह म्यूजियम अयोध्या की सदर तहसील के मांझा जामतारा गांव में बनाया जाएगा। टाटा संस 650 करोड़ में टेंपल म्यूजियम बनाने के साथ ही इसके आसपास और भी इन्फ्रा तैयार करेगी। इसके लिए कंपनी ने 100 करोड़ रुपये खर्च करने की बात कही है। टाटा संस ही इस म्यूजियम की देखरेख व प्रबंधन का काम भी करेगी। अनुमान है कि योगी सरकार म्यूजियम के लिए करीब 2 एकड़ जमीन को 1 रुपये सालाना किराये पर 90 साल के लिए लीज पर देगी। बात दें कि राम मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में रोजाना करीब 2 से 4 लाख लोग दर्शन करने आते हैं। म्यूजियम व अन्य पर्यटन स्थलों के विकसित होने के बाद सैलानियों की संख्या में और इजाफा हो सकता है। राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र का कहना है कि मंदिर का पूरा काम मार्च, 2025 तक समाप्त हो जाएगा, जबकि पहली मंजिल का काम जुलाई के आखिर तक पूरा करने का लक्ष्य है। यूपी

वालों को एक और सौगात मिलने वाली है। योगी सरकार लखनऊ, प्रयागराज और कपिलवस्तु में हेलीकॉप्टर सर्विस शुरू करने जा रही है। इसके लिए हेलीपैड बनाने की प्रक्रिया भी जल्द शुरू होगी, जिसे पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के आधार पर बनाया जा रहा है। इस सर्विस का फायदा आम आदमी को भी मिलेगा, जिसके लिए किराया चुकाना पड़ेगा।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें नीचे आयी हैं। आज सुबह सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर बाद में ये नीचे आने लगे। सुबह सोने का वायदा भाव 71,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी का वायदा भाव 86,850 रुपये के करीब पहुंच गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में कमजोर आई जबकि चांदी के वायदा भाव में बढ़त रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई पर बाद में कीमतें नीचे आने लगीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त अनुबंध आज 51 रुपये की तेजी के साथ 71,518 रुपये के भाव पर खुला। ये 71,522 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,370 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 76 रुपये की गिरावट के साथ 86,861 रुपये पर खुला। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गये थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में तेजी रही पर बाद में दोनों के भाव में गिरावट देखी जाने लगी। कामेक्स पर सोना 2,331.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला इसका पिछला बंद भाव 2,330.80 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.96 डॉलर के भाव पर खुले। इनका पिछला बंद भाव 28.86 डॉलर था।

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट में देरी, कंपनी पर लग सकता है करोड़ों का जुर्माना

बगैर नक्शा पास किए कार्गो और होटल प्रोजेक्ट पर काम शुरू, मुख्य सचिव करेंगे समीक्षा

ग्रेटर नोएडा, ।

यूपी के नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट का काम समय पर पूरा होता नहीं दिख रहा है। ऐसे में अब कंपनी पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) की ओर से एयरपोर्ट को चालू करने में सात माह की देरी की सूचना ने साफ कर दिया गया है कि एयरपोर्ट की देरी पर 90 दिन की देरी का ग्रेस पीरियड ही मिलेगा। इस ग्रेस पीरियड को बढ़ाने पर नायल कोई विचार नहीं करेगी। इसके ऊपर जितने भी दिन लगेंगे, हर रोज 10 लाख की पेनल्टी लगेगी। इस तरह एक माह की देरी होने पर करीब तीन करोड़ की पेनल्टी लगेगी। एयरपोर्ट प्रोजेक्ट पूरा होने में सात माह की देरी है।

इसमें तीन माह ग्रेस पीरियड हैं। चार माह की देरी पर 12 करोड़ का जुर्माना लगेगा। यमुना अथॉरिटी से लेकर प्रदेश सरकार तक यह मामला गरमा गया है। इसके चलते नायल (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) के सीईओ अरुणवीर सिंह ने एयरपोर्ट का निर्माण कर रही कंपनी के अधिकारियों के साथ इस मामले की समीक्षा की थी। इसमें तीन माह से ज्यादा देरी होने पर ग्रेस पीरियड का लाभ न देने के बारे में कहा गया था।

समीक्षा में ही यह भी सामने आया कि बगैर नक्शा पास किए एयरपोर्ट की साइट पर कार्गो और होटल प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया गया है। कंपनी ने जानकारी दी कि इसके लिए नायल में नक्शे का आवेदन किया जा चुका है, लेकिन मंजूर नहीं मिली है। कंपनी ने नक्शा पास होने की मंजूरी का इंतजार किए बिना ही काम चालू कर दिया था। लिहाजा ये काम बंद कराया गया। 28 जून को प्रदेश के मुख्य सचिव एयरपोर्ट की साइट पर एयरपोर्ट की वर्क प्रॉग्रेस रिपोर्ट की समीक्षा करने जा रहे हैं। इस दौरान एयरपोर्ट के निर्माण में देरी के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा होगी। इसमें देरी होने के और भी महत्वपूर्ण कारण सामने आ सकते हैं।

देश के जाने माने येस बैंक ने सैकड़ों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

-कर्मचारियों की संख्या कम कर लागत में कटौती करना चाहता है बैंक

नई दिल्ली।

भारत के टॉप 10 निजी बैंकों में से एक येस बैंक ने सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। बैंक अपने बिजनेस को रीस्ट्रक्चर कर रहा है, जिसके चलते कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है। येस बैंक में छंटनी की वजह शेयर बाजार को बताया था और कहा कि वह डेट सिक्योरिटी के जरिये फंड जुटाने का ऐलान किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक येस बैंक ने रीस्ट्रक्चरिंग एक्सरसाइज के साथ कम से कम 500 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आने वाले समय में और भी छंटनी हो सकती है। यह छंटनी बैंक के कई विभागों में की गई है। छंटनी का सबसे ज्यादा असर ब्रांच बैंकिंग सेगमेंट में देखने को मिला। अन्य विभागों की बात की जाए तो रिटेल, होलसेल जैसे कई वर्टिकल्स में बैंक की छंटनी का असर दिखा है।

बैंक ने कहा कि वह कस्टमर्स पर फोकस रहने, ऑपरेशन को कुशल बनाने के लिए समय-समय पर रिव्यू करती रहती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों को तीन माह की सैलरी दी गई है। माना जा रहा है कि येस बैंक डिजिटल बैंकिंग की ओर बढ़ रहा है और कर्मचारियों की संख्या में कटौती करके लागत में कटौती करना चाहता है। एक्सचेंजों को दी गई फाइनेंशियल ईयर के परफॉर्मेंस की जानकारी में बैंक ने बताया था कि वित्त वर्ष 2023-2024 (एफवाई24) के दौरान उसके लिए कर्मचारियों का खर्च 12 फीसदी से ज्यादा बढ़ गया था। वित्त वर्ष 2023 के अंत में खर्च 3,363 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024 के अंत में 3,774 करोड़ रुपए हो गया। फाइनल एयर 2024 के दौरान येस बैंक का नेट मुनाफा 74.4 फीसदी से बढ़कर 1,251 करोड़ रुपए पहुंच गया था।

गौतम अडाणी एयरपोर्ट बिजनेस को शेयर बाजार में करेगा सूचीबद्ध

ग्रुप दो से तीन अरब डॉलर की रकम जुटाने की बना रहा योजना

नई दिल्ली।

गौतम अडाणी अब अपने एयरपोर्ट बिजनेस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की तैयारी में है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज ने लिस्टिंग के लिए प्लान और टाइमलाइन बनाने का काम भी शुरू कर दिया है। सीएनबीसी-टीवी18 की एक रिपोर्ट के मुताबिक आईपीओ के बाद अडाणी एंटरप्राइजेज ने अपने एयरपोर्ट बिजनेस को वित्तीय वर्ष 2027-28 (फाइनल ईयर28) तक शेयर बाजार में सूची करने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा है कि गौतम अडाणी के नेतृत्व वाला ग्रुप चालू वित्त वर्ष (एफवाय25) में इक्विटी के जरिए से 2 से 3 अरब डॉलर की रकम जुटाने की योजना बना रहा है। 1994 में फ्लैगशिप कंपनी के पब्लिक होने के बाद से, अडाणी एंटरप्राइजेज ने छह अन्य स्वतंत्र व्यवसायों को स्थापित और सूचीबद्ध किया है, जिनका संयुक्त बाजार पूंजीकरण 10 अरब डॉलर से ज्यादा है। अडाणी एंटरप्राइजेज के पास देश में आठ एयरपोर्ट हैं, जिनमें से 7 चालू हैं और नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के साल के अंत तक पूरा होने की संभावना है।

अडाणी एंटरप्राइजेज की सालाना बैठक में चेयरमैन गौतम

अडाणी ने कहा था कि उनका बंदरगाह से लेकर ऊर्जा कारोबार से जुड़ा ग्रुप पहले से कहीं ज्यादा मजबूत स्थिति में है और इसका सर्वश्रेष्ठ आना बाकी है। एजीएम में उन्होंने बताया कि ग्रुप की कंपनियों ने जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए आरोपों के कारण हुए सभी घाटे की भरपाई कर ली है। अडाणी ग्रुप ने एफवाय25 में अपनी विभिन्न कंपनियों में करीब 1.3 लाख करोड़ रुपए निवेश करने की योजना बनाई है। ग्रुप के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) जुगेशिंदर 'रॉबी' सिंह ने कहा था कि ग्रुप ने कारोबार बढ़ाने के लिए अगले साल से दस साल में 100 अरब डॉलर के निवेश अनुमान को दोगुना कर दिया है। उन्होंने कहा कि ग्रुप की पोर्ट से लेकर एनर्जी, एयरपोर्ट, जिंस, सीमेंट और मीडिया क्षेत्रों में कार्यरत कंपनियों में कुल निवेश का 70 फीसदी आंतरिक संसाधनों से किया जाएगा और शेष राशि लोन के जरिए हासिल की जाएगी।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बंद पड़े जनधन खातों को फिर करें चालू

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत निष्क्रिय खातों को फिर से शुरू करने का अनुरोध किया है। एक वरिष्ठ बैंकर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हमें प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है जो खाते बंद हैं। यह वित्तीय समावेशन पहल का एक हिस्सा है, क्योंकि कुछ लोग इन खातों को खोलने के बाद भूल जाते हैं। वित्तीय सेवा विभाग ने हमें इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए कहा है। वित्त मंत्रालय ने सरकारी बैंकों के प्रमुखों की एक बैठक बुलाई, जिसमें प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, जन सुरक्षा और मुद्रा योजना समेत कई वित्तीय समावेशन योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने की। छह दिसंबर 2023 तक, देशभर में करीब 20 फीसदी प्रधानमंत्री जनधन योजना के अकाउंट्स बंद थे। यह जानकारी तत्कालीन वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने राज्यसभा में लिखित उत्तर में दी थी। बैंकर ने कहा कि चर्चा का मेन फोकस सरकारी योजनाओं जैसे अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा और उनकी जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की समीक्षा पर था। बैंकर ने कहा कि हमें कोर बैंकिंग और जमा राशि बढ़ाने पर भी फोकस करने की सलाह दी गई थी। हमने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के टेक्नोलॉजिकली अपग्रेडेशन और बैंकों द्वारा वित्तीय सेवा विभाग के लिए दी गई प्रतिबद्ध समयसीमा पर भी चर्चा की। सेंट्रलाइज्ड केवायसी भी लाया गया। इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंशिंग पर आरबीआई की ड्राफ्ट गाइडलाइन्स के संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई। पिछले साल सितंबर में, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को बिना किसी गारंटी के न्यूनतम ब्याज दरों पर लोन प्रदान करना है। बैठक में भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा, बैंक ऑफ बड़ौदा के एमडी और सीईओ देबदत्ता चंद, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एमडी और सीईओ एमवी राव, इंडियन ओवरसीज बैंक के एमडी और सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव, पंजाब एंड सिंड बैंक के एम और सीईओ स्वरूप कुमार साहा, पंजाब नेशनल बैंक के एमडी और सीईओ अतुल कुमार गोयल, यूको बैंक के एमडी और सीईओ अश्विनी कुमार और बैंक ऑफ इंडिया के एमडी और सीईओ रजनीश कर्नाटक के साथ अन्य बैंक अधिकारियों और वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

गुयाना (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार को भारतीय टीम का मुकाबला इंग्लैंड से होगा। दोनो ही टीमों का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही फाइनल में जगह बनाना होगा। भारतीय टीम ने इस बार जिस प्रकार धमाकेदार अंदाज में यहां तक का सफर तय किया है। उससे इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। सुपर आठ में भारतीय टीम ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलिया को हराया उससे भी टीम का मनोबल बढ़ा है। भारतीय टीम के पास कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली सहित कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की पारी खेलकर दिखा दिया है कि वह पूरी तरह से लय में हैं। इसके अलावा टीम के पास जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव जैसा स्पिनर है। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या भी अच्छे फार्म में आ गये हैं। टीम का मध्यक्रम भी मजबूत है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम मुश्किल से यहां तक पहुंची है। पिछली बार उसने टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में भारतीय टीम को दस विकेट से हराया था और ऐसे में भारतीय टीम इस बार हिसाब बराबर करने उतरेगी। इस मैदान पर स्पिनरों ने शुरुआती मैच से ही दबाव बनाया है। ऐसे में भारत के कुलदीप यादव और इंग्लैंड के आदिल राशिद जैसे खिलाड़ी इस मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं। तेज गेंदबाजों को भी इस मैदान पर सफलता मिली है। जिसके लिए भारत के पास जसप्रीत बुमराह वहीं इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर जैसा गेंदबाज है।

आठ जून के बाद से यहां कोई मैच नहीं खेला गया है। इससे क्यूरेटर को इस महत्वपूर्ण मैच के लिए उपयुक्त पिच तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया। भारत ने सुपर आठ चरण में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन सेमीफाइनल के अत्यधिक दबाव में सहज गलतियां हो जाती हैं। शीर्ष क्रम में भारतीय टीम अब तक असफल रहे विराट से रन की उम्मीद। रोहित और कोहली दोनों के लिए यह शायद भारत की जर्सी में टी20 विश्व खिताब जीतने का आखिरी मौका है और दोनों अपना छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। रोहित ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह व्यक्तिगत उपलब्धियों की परवाह किए बिना पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करने का इरादा रखते हैं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भी स्पष्ट था। वहीं नये ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मध्यक्रम में उम्मीद के मुताबिक बल्लेबाजी नहीं की है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह स्पिनर आदिल के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत के इस मैच में बिना किसी बदलाव के उतरने की संभावना है क्योंकि अब तक लगातार जीत रही टीम संयोजन में कोई बदलाव जोखिम भरा हो सकता है। टीम के पास हालांकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जो इंग्लैंड के फिल

सॉल्ट, जोस बटलर, हैरी ब्रूक और जॉनी बेयरस्टो जैसे दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ प्रभावी साबित हो सकते हैं।

चहल को इस प्रतियोगिता में अब तक एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है और अब उन्हें अवसर मिलना संभव नहीं है क्योंकि टीम के पास पहले से ही रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप की स्पिन तिकड़ी उपलब्ध है। कुलदीप और बुमराह ने अब तक बेहतरीन गेंदबाजी की है। इंग्लैंड को उसके खिलाफ रन बनाने के लिए कुछ खास करना होगा। हार्दिक पंड्या ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया है और टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने की उम्मीद होगी।

वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड का अभियान अब तक उतार-चढ़ाव भरा रहा। वे सुपर आठ में दक्षिण अफ्रीका से हार गए पर फिर अंक तालिका और रन रेट के आधार पर यहां तक पहुंच गये हैं। कप्तान बटलर ने इंग्लैंड के अंतिम सुपर आठ मैच में अच्छे रन बनाए और भारतीय गेंदबाजी से परिचित होने के कारण वह मैच विजेता पारी खेल सकते हैं। उनके सलामी जोड़ीदार सॉल्ट बहुत जल्दी अपनी आक्रामक शैली से गेंदबाजों पर दबाव बना देते हैं। ऐसे में भारतीय टीम का उनसे सावधान रहना होगा।

जॉनी बेयरस्टो और मोईन अली से अधिक रन की उम्मीद टीम को रहेगी। मोईन अली की ऑफ स्पिन भी भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उपयोगी हो सकती है। लेग और ऑफ स्पिन दोनों करने वाले लियाम लिविंगस्टोन भी अपने कोटे के पूरे ओवर फेंक सकते हैं जैसा कि उन्होंने अमेरिका के खिलाफ किया था। आदिल के चार ओवर भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले में निर्णायक साबित हो सकते हैं। चोट से वापसी के बाद अपनी पहली बड़ी प्रतियोगिता में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अब तक सात मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है और वह नई गेंद से रोहित और कोहली को आउट करने के इरादे से उतरेंगे। इसके अलावा पिछले मैच में हैट्रिक लेने के बाद क्रिस जोर्डन भी इस मैच में बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेंगे। ऐसे में इस मैच में रोमांचक खेल होना तय है।

टीम

भारत- रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज।

इंग्लैंड- जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जोफ्रा आर्चर, जॉनी बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम कुरेन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जोर्डन, लियाम लिविंगस्टन, आदिल राशिद, फिल सॉल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड।

हमारी खिलाड़ी लंबी अवधि के प्रारूप में खेलने की आदी हैं: मजूमदार

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने टेस्ट क्रिकेट में खेलने को विशेष करार देते हुए बुधवार को यहां कहा कि लंबी अवधि के अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट में खेलने के कारण उनकी टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए अच्छी तरह से तैयार है। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक-एक टेस्ट मैच खेले थे, जिनमें उसने जीत दर्ज की थी।

मजूमदार ने कहा, 'हमें तीनों प्रारूप में खेलने में मजा आता है लेकिन टेस्ट क्रिकेट हमेशा विशेष होता है। दिसंबर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच खेलने के बाद बीसीसीआई ने अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट में लंबी अवधि के प्रारूप को भी शामिल किया और इसलिए हमारी सभी खिलाड़ियों को लाल गेंद की क्रिकेट खेलने की आदत है।'

दीप्ति शर्मा की अगुआई में पूर्व क्षेत्र ने इस साल अप्रैल में दक्षिण क्षेत्र को एक विकेट से हराकर यह टूर्नामेंट जीता था। मजूमदार ने कहा, 'हम इस बात से वाकिफ थे कि लंबी अवधि का प्रारूप हमारे कैलेंडर का हिस्सा बनने जा रहा है। इसलिए खिलाड़ियों को संदेश देने के लिए अंतर क्षेत्रीय टूर्नामेंट बेहद महत्वपूर्ण था।'

मजूमदार ने पुरुषों की तरह महिलाओं के लिए भी टेस्ट चैंपियनशिप आयोजित करने की वकालत की। उन्होंने कहा, 'महिला टेस्ट चैंपियनशिप का विचार बुरा नहीं है लेकिन इसका फैसला बोर्ड को करना है। अगर ऐसा होता है तो यह खेल के लिए अच्छा होगा।'

भारतीय क्रिकेट का घरेलू सत्र सितंबर में दलीप ट्रॉफी से शुरु होगा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट का घरेलू सत्र दलीप ट्रॉफी के साथ पांच सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद ईरानी कप और फिर रणजी ट्रॉफी होगी। रणजी ट्रॉफी पहली बार दो भागों में खेली जाएगी। घरेलू सत्र को लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों की एक बैठक भी हुई है। जिसमें बोर्ड सचिव जय शाह ने घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे को लेकर बात की। इस बार रणजी ट्रॉफी होगी दो हिस्सों में खेली जाएगा। इससे उत्तर भारत में सर्दियों में खराब मौसम से निपटने और खिलाड़ियों को मैचों के बीच आराम और थकान से उबरने के लिए अधिक समय मिल लाएगा। इसी को लेकर बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक में बोर्ड ने नए प्रारूप पर राज्य संघों से बात कर उनके विचार जाने।

इस दौरान राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा की सिफारिशों पर नए प्रारूप को लागू किया गया। बीसीसीआई का लक्ष्य एक साल बाद इसकी समीक्षा करना है। बोर्ड की ओर से जारी कहा गया, ''बैठक में 2023-24 के सबसे व्यस्त क्रिकेट सत्र के आयोजन में राज्य संघों के सराहनीय प्रयासों के लिए तारीफ की गयी जिसमें विश्व कप 2023, आईपीएल, डब्ल्यूपीएल के साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और एक पूर्ण घरेलू क्रिकेट सत्र शामिल रहे हैं।''

टी20 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में आज होगा दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान का मुकाबला

त्रिनिदाद (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट का पहला सेमीफाइनल गुरुवार सुबह यहां दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के बीच खेला जाएगा। इस मैच में दोनो ही टीमें जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इस टूर्नामेंट में इस बार दक्षिण अफ्रीकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने सभी मैच जीते हैं। दूसरी ओर अफगानिस्तान ने भी न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनायी है। ऐसे में उसकी दावेदारी भी कमजोर नहीं कहीं जा सकती है। सभी को हैरान करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम काफी अनुभवी है और उसके पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं, पहले बल्लेबाजी कर टीम बड़े स्कोर बनाती है पर उसकी बड़ी कमजोर ये है कि वह बड़े मुकाबलों के अलावा लक्ष्य का पीछा करने के दौरान बिखर जाती है। वहीं अफगानिस्तान पहली बार फाइनल में पहुंची है उसे बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं, इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम को हराकर उसके हौंसले बुलंद हैं। ऐसे में ये मैच रोमांचक होना तय है। नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी और राशिद खान से दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। वहीं बल्लेबाली में रहमानुल्लाह गुरबाज पर अंकुश लगाना होगा।

इस बार अब तक इस मैदान पर खेले गये मुकाबलों में बड़े स्कोर नहीं देखे गये हैं। ऐसे में सेमीफाइनल मुकाबले में भी बड़ा स्कोर बनने की संभावना नहीं है। आंकडों पर नजर डालें तो यहां

अब तक 11 मैच हुए हैं। जिसमें से चार बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जबकि सात बार

दूसरी बार बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। यहां पहली पारी का औसत स्कोर 135 जबकि दूसरी पारी का औसत स्कोर 122 रहा है। वहीं इस मैदान पर सबसे बड़ा स्कोर इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच 267 रहा है जबकि सबसे कम स्कोर युगांडा और न्यूजीलैंड के बीच 40 रन रहा है।

अब तक इस टूर्नामेंट में बारिश से कई बार बाधा आई है पर इस मैच में बरसात की संभावना नहीं है।

हालांकि बादल छाए रहने की उम्मीद है। मैच के दौरान औसत तापमान 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

अफगानिस्तान- राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इब्राहिम जादरान, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नइब, मोहम्मद नबी, करीम जनत, नागेयालिया खारोटे, नूर अहमद, नवीन-उल-हक, फजलहक फारूकी, नजीबुल्लाह जादरान, फरीद अहमद मलिक, हजरतुल्लाह जजई, मोहम्मद इशाक।

दक्षिण अफ्रीका- एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेट कीपर), रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कागिसो रबाडा, एनरिक नोर्टजे, तबरेज शम्सी, ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, ब्योर्न फोर्टुइन, रयान रिकेल्टन।

जमशेदपुर एफसी के कोच बने रहेंगे जमील

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी (जेएफसी) फुटबॉल क्लब ने मुख्य कोच खालिद जमील का अनुबंध दो साल और बढ़ा दिया है। जमील ने पिछले आईएसएल सत्र के मध्य में जमशेदपुर के मुख्य कोच का पदभार संभाला था। जब वह टीम से जुड़े थे उस समय जमशेदपुर एफसी अपने 11 में से केवल दो मैच जीत सका था। उनके आने के बाद टीम का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। इसके साथ ही क्लब ने वापसी करते हुए 2024 कलिंगा सुपर कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उनके जमशेदपुर एफसी के कोच रहते हुए टीम ने आईएसएल के अपने शुरुआती पांच मैचों में से तीन मैच जीत जबकि दो ड्रॉ रहे। इससे यह टीम लीग चरण के अंतिम मैच तक प्लेऑफ की दौड़ में बनी रही थी। खालिद ने 2025-26 सत्र के आखिरी तक चलने वाले करार पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा, ''हम आईएसएल जीतना चाहते हैं।'' इसके लिए टीम अगले माह से अभयास शुरु करेगी। खालिद के कोच रहते हुए साल 2017 में आइजोल एफसी ने आई-लीग का खिताब जीता था।

राशिद टूर्नामेंट का सबसे कुशल कप्तान : असगर अफगान

नई दिल्ली - अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असगर अफगान ने राशिद खान को वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप का सबसे कुशल कप्तान करार देते हुए कि कहा कि दुनिया भर की फेंचाइजी लीग में खेलने का उनके खिलाड़ियों को फायदा मिला। अफगानिस्तान ने मंगलवार को बांग्लादेश को हराकर पहली बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई। अपने इस अभियान के दौरान उसने न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी शीर्ष टीमों को भी हराया। असगर ने कहा कि मुझे लगता है कि राशिद टूर्नामेंट का सबसे कुशल कप्तान है। वह प्रेरणादायी कप्तान है। वह गेंदबाजी में मैच विजेता है जो बल्लेबाजी में भी अपनी छाप छोड़ता है। उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सक्षम है। यही वजह है कि अफगानिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहा। जब मैं 2017 में अफगानिस्तान का कप्तान था तब वह मेरे साथ उप कप्तान था और उस समय भी उसने अपना नेतृत्व कौशल दिखाया था। अफगानिस्तान गुरुवार को होने वाले सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा। असगर ने कहा कि अफगानिस्तान की सफलता का एक और कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अधिक मैच खेलना और खिलाड़ियों का पूरे वर्ष विभिन्न टी20 लीग में खेलना है।

भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर के अध्यक्ष बने कपिल देव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे कपिल देव ने भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर (पीजीटीआई) के नए अध्यक्ष का पद संभाल लिया है। यह पद इस प्रतिष्ठित पूर्व क्रिकेटर के लिए एक नई शुरुआत है जिन्होंने एमेच्योर गोल्फ खिलाड़ी के रूप में भी शानदार प्रदर्शन किया है। 65 वर्षीय कपिल पहले से ही उपाध्यक्ष के रूप में पीजीटीआई बोर्ड के सदस्य थे। उन्हें सर्वसम्मति से चुना गया। वह एचआर श्रीनिवासन की जगह लेंगे जिनका कार्यकाल समाप्त हो गया है। कपिल को एक अच्छे गोल्फ खिलाड़ी के रूप में जाना जाता है।

कपिल ने अपने नए पद के बारे में कहा, 'पीजीटीआई का अध्यक्ष बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं पिछले कुछ वर्षों से इस संगठन से जुड़ा हुआ हूं। यह खिलाड़ियों का संगठन है और मैं उन सभी का बहुत अच्छा दोस्त हूं और मैं अक्सर उनके साथ खेलता हूं।% कपिल ने कहा कि तीन दशक से अधिक समय से गोल्फ उनका जुनून रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्होंने एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना देखा था जब इसमें केवल एमेच्योर खिलाड़ियों को हिस्सा लेने की स्वीकृति थी।

उन्होंने कहा, 'और अब यह खेल ही है जिसमें मैं अपना अधिकांश समय बिताता हूं। मैं उपाध्यक्ष रह चुका हूं और मैं बोर्ड में हूं, इसलिए खिलाड़ियों द्वारा अध्यक्ष चुने जाने पर मुझे बहुत गर्व है। मैं हमेशा की तरह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का वादा करता हूं।% कपिल पीजीटीआई के लिए नए प्रायोजक लाने की कोशिश में सबसे आगे रहे हैं। वह टूर में सबसे आकर्षक प्रतियोगिता में से एक कपिल देव ग्रांट थॉर्नटन आमंत्रण को डीएलएफ गोल्फ एवं कंट्री क्लब में आयोजित कराने में सफल रहे हैं जिसकी इनामी राशि दो करोड़ रुपए है।

जीव मिल्खा सिंह, अर्जुन अटवाल, ज्योति रंधावा, शिव कपूर जैसे भारत के शीर्ष स्टार खिलाड़ी उनके करीबी गोल्फ मित्र हैं। कपिल ने 1978 से 1994 तक भारत के लिए क्रिकेट खेला। सर्वकालिक महान ऑलराउंडरों में से एक कपिल ने

131 टेस्ट और 225 एकदिवसीय मैच खेले। उनकी अगुआई में भारत ने 1983 विश्व कप जीता। 1983 विश्व कप में उनकी नाबाद 175 रन की पारी खेल के इतिहास की सबसे बेहतरीन पारियों में से एक मानी जाती है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने आठ शतक की मदद से 5248 रन बनाए और 434 विकेट लिए जो उस समय एक विश्व रिकॉर्ड था। उन्होंने एकदिवसीय मैचों में 3783 रन भी बनाए और इस प्रारूप में 253 विकेट लिए।

गुवाहाटी में होगी विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिपे

नई दिल्ली। विश्व जूनियर चैंपियनशिप अगले साल 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था। वहीं इसको लेकर बीडब्ल्यूएफ के अध्यक्ष पॉल-एरिक होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजनप और भी अहम है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।'' इस टूर्नामेंट की तारीखों की अभी पुष्टि नहीं हुई है। वहीं बीडब्ल्यूएफ के थॉमस और उबेर कप फाइनल्स का अगला सत्र डेनमार्क के होर्सेन्स में होगा।

सूर्यकुमार को लगा झटका, ट्रेविस हेड बने नंबर एक टी20 बल्लेबाज

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की नवीनतम रैंकिंग में भारत के सूर्यकुमार यादव को पछाड़कर दुनिया के नंबर एक बल्लेबाज बन गए। सूर्यकुमार यादव दिसंबर 2023 से शीर्ष पर थे। हेड ने मौजूदा टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत नंबर एक रैंकिंग हासिल की। ऑस्ट्रेलिया हालांकि टूर्नामेंट से बाहर हो गया है।

हेड ने टूर्नामेंट में दो अर्धशतक की मदद से 255 रन बनाए जिसमें सुपर आठ मुकाबले में भारत के खिलाफ 76 रन की पारी भी शामिल है। हेड सूर्यकुमार (842 अंक) से दो अंक आगे हैं। सूर्यकुमार दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं लेकिन उनके पास दोबारा नंबर एक रैंकिंग हासिल करने का मौका है क्योंकि भारत टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बना चुका है और इस बल्लेबाज को और मौके मिलेंगे।

इंग्लैंड के फिल सॉल्ट और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम तथा मोहम्मद रिजवान भी शीर्ष पांच में शामिल हैं। वेस्टइंडीज के जॉनसन चार्ल्स शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले एकमात्र नए खिलाड़ी हैं। उन्हें चार स्थान का फायदा हुआ है। अफगानिस्तान के स्टार बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को भी पांच स्थान का फायदा हुआ है। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ जसप्रीत बुमराह 44 स्थान की लंबी छलांग के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं जबकि स्पिनर कुलदीप यादव भी 20 स्थान के फायदे से 11वें पायदान पर हैं। स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल आठवें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन की बदौलत दूसरे स्थान हैं। जोश हेजलवुड तीन स्थान के फायदे से वानिंदु हसरंगा के बाद चौथे स्थान पर हैं। मार्कस स्टोइनिस ने संक्षिप्त समय तक शीर्ष पर रहने के बाद ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष स्थान श्रीलंका के हसरंगा को गंवा दिया है। स्टोइनिस चौथे स्थान पर खिसक गए हैं। अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी दूसरे और भारत के हार्दिक पंड्या तीसरे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज के रोस्टन चेज ऑलराउंडरों की सूची में सबसे अधिक 17 स्थान के फायदे से 12वें स्थान पर हैं।

पेरिस ओलंपिक में चार सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम भाग लेगी, अदिति तीसरी बार ओलंपिक खेलेंगी

नई दिल्ली। 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होने वाले पेरिस ओलंपिक में चार सदस्यीय भारतीय गोल्फ टीम भाग लेगी। इसमें महिला वर्ग से अदिति अशोक और दीक्षा डागर जबकि पुरुष वर्ग से शुभंकर शर्मा और गगनजीत भुल्लर शामिल रहेंगे। इसमें अदिति पहली भारतीय गोल्फर होंगी जो तीसरी बार ओलंपिक में भाग लेंगी। वहीं दीक्षा दूसरी बार खेलती दिखेंगी जबकि हीं शुभंकर और भुल्लर पहली बार इन खेलों में उतरेंगे। ओलंपिक में अब तक भारत की ओर से सबसे अच्छा प्रदर्शन अदिति के नाम है। वह टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रही थी। ओलंपिक के लिए क्वालिफिकेशन रैंकिंग द्वारा निर्धारित की जाती है, जो आधिकारिक विश्व गोल्फ रैंकिंग (ओडब्ल्यूजीआर) के जरिये 60 पुरुष और इतनी ही महिला खिलाड़ियों तक सीमित है। ओडब्ल्यूजीआर में शीर्ष 15 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए योग्य होते है। इसमें एक देश से अधिकतम चार गोल्फरों को अनुमति रहती है। इसके बाद ओलंपिक गोल्फ रैंकिंग (ओजीआर) के आधार पर खिलाड़ियों को कोटा मिलता है। इसमें एक देश से अधिकतम दो खिलाड़ी जगह पात्र होते है बशर्ते उस देश को ओडब्ल्यूजीआर के कोटे से जगह नहीं मिली हो। अदिति 24वें स्थान के साथ भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी है जबकि दीक्षा 40वें पायदान पर है।

ओलंपिक स्थान के लिए राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप में बेहतर प्रदर्शन करना चाहेंगे भारतीय एथलीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक भाला फेंक चैम्पियन नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में भारत के शीर्ष ट्रैक और फील्ड एथलीट गुरुवार से यहां शुरू होने वाली राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप के दौरान पेरिस ओलंपिक स्थान हासिल करने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे। यह चार दिवसीय चैम्पियनशिप आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होगी।

सात जुलाई को होने वाली पेरिस डायमंड लीग में बहुत कम दिन बचे हैं तो चोपड़ा पंचकुला में हिस्सा नहीं लेंगे। उन्होंने पिछले महीने भुवनेश्वर में फेडरेशन कप में हिस्सा लिया था और स्वर्ण पदक जीता था। पिछले महीने भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने यह स्पष्ट कर दिया था कि पेरिस ओलंपिक के लिए चुने जाने के लिए चोपड़ा को छोड़कर अन्य सभी खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप में भाग लेना अनिवार्य होगा।

एएफआई के नियमों के अनुसार ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल जैसे टूर्नामेंट के लिए चुने जाने के लिए सभी खिलाड़ियों को राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैम्पियनशिप में भाग लेना होगा। महासंघ विशेष खिलाड़ियों या उनके कोचों के अनुरोध पर छूट दे सकता है। चोपड़ा की अनुपस्थिति में अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज), किशोर जेना (पुरुषों की भाला फेंक), राम बाबू (पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल) और पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज) चैम्पियनशिप में सुर्खियों में रहेंगे जिन्होंने क्वालीफाइंग मानक हासिल कर पेरिस ओलंपिक के लिए स्थान पक्का कर लिया है।

ज्योति याराजी (महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़), अन्नू रानी (महिलाओं की भाला फेंक), डीपी मनु (पुरुषों की भाला फेंक), तेजिंदरपाल सिंह तूर (पुरुषों की गोला फेंक), जेस्विन एल्ड्रिन (पुरुषों की लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल और अब्दुल्ला अबूबाकर (दोनों पुरुषों की त्रिकूद) जैसे खिलाड़ी विश्व रैंकिंग कोटा के जरिये पेरिस का टिकट कटा सकते हैं। एशियाई रिकॉर्ड धारी तूर ने मंगलवार को 'पीटीआई' को बताया कि उनके टखने में हल्का दर्द है और उनके डॉक्टर ने उन्हें तीन-चार हफ्तों तक गोला फेंकने से मना किया है। पर उनका नाम बुधवार को एएफआई की अपडेट की गई प्रवेश सूची में शामिल है।

कुछ उभरते सितारे जैसे धावक अनिमेष कुजूर, 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे और लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह भी चुनौती पेश करते नजर आयेंगे। पेरिस ओलंपिक स्थान पक्का करने वाली भारतीय पुरुष और महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम का

लगभग हर सदस्य हिस्सा लेगा। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी 20 किमी पैदल चाल खिलाड़ी अक्षदीप सिंह पेरिस खेलों का क्वालीफाइंग मार्क पार कर चुके हैं लेकिन उनका नाम प्रवेश सूची में शामिल नहीं है। महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल की राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका गोस्वामी ने भी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है और उनका नाम भी सूची में नहीं है।

गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप से हटे

नई दिल्ली। भारत के गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदर पाल सिंह तूर ने टखने में दर्द के कारण राष्ट्रीय अंतर राज्यीय एथलेकिटिक्स चैंपियनशिप से बाहर होने का फैसला किया है। गुरुवार से पंचकुला में शुरु हो रही ये प्रतियोगिता आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का अंतिम मौका है। कुछ दिन पहले तक एशियाई रिकॉर्ड धारक तूर वर्ल्ड रैंकिंग कोटा के जरिए पेरिस खेलों के लिए क्वालिफाई करने की राह पर थे। वह गत एशियाई चैंपियन और एशियाई खेलों के गोल्ड पदक विजेता हैं। हालांकि, अब उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया है। तूर ने पीटीआई को बताया कि अभी उनके टखने में थोड़ा दर्द है जिसकी वजह से डॉक्टर ने सिंह को तीन से चार हफ्तों तक थ्रो नहीं करने की सलाह दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सांस्कृतिक गरिमा का गवाह इलाहाबाद

इलाहाबाद मौर्य और गुप्त साम्राज्य से लेकर मुग़ल साम्राज्य तक समृद्धशाली इतिहास से भरा हुआ है। कुम्भ के महान जन समूह में शामिल होने के अलावा इलाहाबाद में आपको भारतीय धर्म और संस्कृति के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। आपको इलाहाबाद के और उसके आस-पास के कई पर्यटन स्थलों को देखने का अवसर मिलेगा । जब आप एक पर्यटक के रूप में यहाँ आयेंगें तब आपको यहाँ आकर असीम संतुष्टि मिलेगी ।

देश के हर हिस्से से लाखों यात्री इलाहाबाद पूरे वर्ष गंगा-यमुना के संगम में स्नान करने और मुक्ति की कामना लेकर आते रहते हैं। इस नगर ने युगों की करवट देखी है, बदलता हुआ इतिहास देखा है। इलाहाबाद भारत की सांस्कृतिक गरिमा का गवाह रहा है और राजनीति तथा साहित्य का केंद्र भी रहा है। यह शहर व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं हुआ किन्तु शिक्षा में पूर्व का कैंब्रिज माना गया विश्वविद्यालय यहीं है साथ ही अनकों सांस्कृतिक, राजनीतिक, साहित्यिक धरोहरों के कारण भी पर्यटक यहां खिंचे चले आते हैं।

इलाहाबाद शहर की भौगोलिक सीमा तो पंद्रह किलोमीटर है जिसमें अनेक दर्शनीय स्थल हैं। यहां कुछ खास पौराणिक, ऐतिहासिक स्थल अब भग्न अवस्था में हैं। यहां के कुछ गौरवपूर्ण स्थानों में कौशांबी, श्रृंगवेरपुर, झूंसी या प्रतिष्ठानपुर, लाक्षागिरि, भीटा, पातालपुरी आदि के नाम लिये जा सकते हैं। यदि आप इलाहाबाद के औद्योगिक विकास के बारे में जानना चाहते हैं तो आपको नैनी जाना होगा।

इलाहाबाद रेलवे स्टेशन से लगभग पांच किलोमीटर दूर भारद्वाज आश्रम है। वर्तमान में यह आश्रम एक मंदिर का रूप ले चुका है। यह जवाहरलाल नेहरू रोड़ पर आनंद भवन से कुछ पहले ही स्थित है। इस मंदिर की भव्यता आपको अवश्य रोमांचित करेगी। आप आनंद भवन और स्वराज भवन देखने जरूर जाइये। स्वराज भवन अब कांग्रेस पार्टी के पास है। यह नेहरू परिवार का पैतृक आवास है अब इसमें जवाहरलाल नेहरू की चित्रमय झांकी प्रदर्शित की गई है। आनंद भवन में नेहरू जी की जीवन स्मृतियां धरोहर के रूप में सुरक्षित हैं। इसके परिसर में एक प्लेनिटोरियम भी खुला हुआ है।

आनंद भवन से एक किलोमीटर दूर 1887 ईंसवी में स्थापित विश्वविद्यालय है। सन् 1921 में इसे आवासीय रूप दिया गया था। इसका सीनेट हाल वास्तुकला का श्रेष्ठ नमूना है। विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में एक संग्रहालय भी है। इस विश्वविद्यालय में दूरदराज के छात्र भी पढ़ने आते हैं।

रेलवे स्टेशन से आठ किलोमीटर दूर संगम तट पर सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया किला मौजूद है, इसका जीर्णोद्धार अकबर ने करवाया था। किले में अशोक स्तंभ इस का संकेत देता है। यह भी हो सकता है कि पहले अशोक स्तंभ रहा हो जिसे घेरे में लेकर अकबर ने यह किला बनवाया हो। अधिकतर लोगों का ऐसा ही मानना है। इस किले का निर्माण 1583 में आरम्भ हुआ था। सन् 1838 में अंग्रेजों ने इस किले का लगभग पुनर्निमाण कराया और वर्तमान रूप दिया। इस किले में भारतीय ईरानी वास्तुकला का मेल आज भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इस विशाल किले में 23 महल, 3 शयनागार, 25 द्वार, 23 बुर्ज, 270 भवन, 176 कमरे, 2 खासेआम, 70 तहखाने, 7 दालानें, 20 तबेले, 1 बावड़ी, 1 कुआं और 1 नहर भी है। किले के भूतल में पातालपुरी मंदिर है जो बड़ा भव्य और विशाल है। इसमें 50 मूर्तियां और 100 प्रस्तर स्तंभ हैं। किले में घूमने के लिए पास लेना पड़ता है। कुछ खास स्थान देखने को नहीं मिलते। माघ मेले के दौरान अक्षयवट का मार्ग खोल दिया जाता है।

आप खुसरो बाग भी देखने जा सकते हैं। यह रेलवे स्टेशन से मात्र आधा किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जहांगीर के पुत्र खुसरो द्वारा इस बाग का निर्माण कराया गया था। यह सत्रह बीघा विस्तार में है। यहां खुसरो और उसकी बहन सुलतानुन्निसा की कब्रें हैं। ये मकबरे काव्य और कला के सुंदर नमूने हैं। फारसी भाषा में जीवन की नश्वरता पर जो कविता यहां लिखी गई है, वह मन को भीतर तक स्पर्श कर जाती है। आप आजाद पार्क भी देखने जा सकते हैं। यह स्टेशन से लगभग तीन किलोमीटर दूर है। पहले विक्टोरिया पार्क के नाम से जाना जाने वाला यह पार्क अब चंद्रशेखर आजाद पार्क के नाम से जाना जाता है। यहां एक ब्रिटिश कालीन लाइब्रेरी भी है और साथ में ही एक स्पोटर्स स्टेडियम भी है।

यदि आप रोमांचित करने वाली वस्तुओं को देखने के शौकीन हैं तो म्यूजियम देखने भी जा सकते हैं। आजाद पार्क के बगल में ही कमला नेहरू मार्ग में एक म्यूजियम है। यहां 13वीं सदी की दुलर्भ वस्तुएं सुरक्षित हैं। यहां पर मूर्ति निर्माण कला का प्रशिक्षण भी दिया जाता है। आप मिंटो पार्क, सरस्वती घाट, नेहरू गार्डन आदि स्थल भी देखने जा सकते हैं।

इलाहाबाद में दिसंबर-जनवरी तथा मई-जून को छोड़कर बाकी महीनों में सीजन ठीक रहता है। वैसे तीर्थयात्री तो मौसम की भी परवाह नहीं करते। इलाहाबाद उत्तर रेलवे का प्रमुख जंक्शन है इसलिए यहां पर पूरे देश से रेलमार्ग द्वारा आने की सुविधा है।

इलाहाबाद के दर्शनीय स्थल

इलाहाबाद का किला

यह भव्य किला अकबर ने 1583 ईसवी में बनवाया था। यह किला संगम तट के निकट यमुना के किनारे है ।यह किला अपने शिल्प और निर्माण के लिए प्रसिद्ध है ।यह किला तीन शानदार दीर्घाओं में बंटा हुआ है ।वर्तमान में यह किला सेना द्वारा इस्तमाल किया जाता है केवल कुछ क्षेत्र ही पर्यटकों के लिए खुले है । किले की बाहरी दीवार जल की सतह के ऊपर प्रतीत होती है । पर्यटकों को अशोक स्तम्भ और सरस्वती कूप देखने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है ।सरस्वती कूप को सरस्वती नदी का स्त्रोत माना जाता है ।यहीं पर पातालपुरी मंदिर और अक्षय वट भी है ।

पातालपुरी मंदिर

इस भूमिगत मंदिर में ही अक्षय वट है ।ऐसी मान्यता है कि यहाँ की यात्रा भगवान् राम ने की थी ।इस स्थान का भ्रमण ह्वेन त्सांग द्वारा भी किया गया था।

अशोका स्तम्भ

अशोका स्तम्भ बलुआ पत्थर का बना हुआ है। इसकी ऊचाई 10.6 मीटर है। इस स्तम्भ पर कई शिलालेख हैं। जहाँगीर द्वारा लिखवाया गया शिलालेख इस पर फारसी में हैं सिंहासन के लिए अपने परिग्रहण के उपलक्ष्य में।

अक्षय वट

पातालपुरी मंदिर के भीतर अमर वृक्ष है ।इस वृक्ष का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में मिलता है । यह वृक्ष बहुत नीचे की ओर स्थित है । यात्रियों को पातालपुरी मंदिर, अक्षय वट और अशोका वृक्ष देखने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है।

हनुमान मंदिर

यह मंदिर संगम के पास है । इस मंदिर में हनुमान जी की मूर्ति है जोकि सारे उत्तर भारत में प्रसिद्ध है ।यहां भगवान हनुमान की बड़ी मूर्ति को एक मनमोहक मुद्रा

में देखा जा सकता है। जब गंगा नदी में बाढ़ आती है , यह मंदिर जलमग्न हो जाता है।

शंकर विमान मंडपम

यह मंदिर 130 फुट ऊंचा है। यह चार स्तम्भों पर टिका है। यहाँ कुमारिल भट्ट, जगतगुरू शंकराचार्य, कामाक्षी देवी (लगभग 51 शक्तिपीत्हस के साथ), योग्सहस्त्र सहस्त्रयोगा लिंगा (लगभग 108 शिव के साथ) की मूर्तियां हैं ।

मनकामेश्वर मंदिर

यह सरस्वती घाट के पास यमुना नदी के तट पर स्थित है। यह इलाहाबाद के प्रसिद्ध शिव मंदिरों में से एक है।

मिंटो पार्क

यह सरस्वती घाट के पास स्थित है। इसमें एक पत्थर का स्मारक है इसके शीर्ष पर चार शेरो का प्रतीक लगा हुआ है । मिंटो पार्क की नींव लॉर्ड मिंटो ने 1910 में रखी थी ।

स्वराज भवन

यह पुराना आनंद भवन है, जो वर्ष 1930 में मोती लाल नेहरू ने कांग्रेस समिति के मुख्यालय के रूप में इस्तेमाल करने के लिए राष्ट्र को दान कर दिया था । मोती लाल नेहरु ने इसे स्वराज भवन का नाम दिया । भारत के स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी यहाँ पैदा हुई थी । प्रकाश और ध्वनि प्रदर्शन की सुविधा 11.00 से 5.00 बजे तक 5 रुपये प्रति व्यक्ति के टिकट पर उपलब्ध है। यह सोमवार को बंद रहता है ।

आनंद भवन

यह तत्कालीन नेहरू परिवार का पैतृक घर है। इसे अब संग्रहालय में बदल दिया गया है। यह स्वतंत्रता संग्राम से सम्बन्धित महत्वपूर्ण निर्णय , घटनाओं का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है । मुख्य भवन एक संग्रहालय है जो नेहरू परिवार की यादगार है । इसके खुलने का समयः 9.30 से 5.00 तक व टिकट॰ 2 .00 रुपये है। सोमवार और सरकारी छुट्टियों पर बंद रहता है।

जवाहर तारामंडल

वैज्ञानिक खगोलीय यात्रा के लिए यह तारा मंडल बनाया गया है ।तारामंडल खुलने का समय॰ 11 ॰00 से 4 ॰00 , टिकट॰ 20 .00 रुपये । सोमवार को बंद रहता है । फोन॰ 0532-2467093

साई धाम मंदिर

शिरडी साईं बाबा का यह नया मंदिर एजी कार्यालय के निकट ड्रमंड रोड पर स्थित है। यहाँ पर्यटक बड़ी संख्या में बृहस्पतिवार को आते है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

भारत के सबसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों में से एक है। इसके परिसर में विक्टोरियन और इस्लामी स्थापत्य शैली की इमारते हैं।

इलाहाबाद संग्रहालय

इस संग्रहालय में मूर्तिकला का एक उत्कृष्ट संग्रह है।

म्योर कॉलेज

विलियम एमर्सन द्वारा बनाया गया था। यह गोथिक और भारतीय वास्तु तत्वों की एक उत्कृष्ट मिश्रण है।इसे 1874 में शुरू किया और 1886 में खोला गया है । इसमें एक 200 फुट ऊँची चतुष्कोणीय मीनार है जो बलुआ पत्थर, संगमरमर और मोज़ेक से बनी हुई है। । इसके गुम्बद भारत - अरबी संरचना के पत्थरों से बना हुआ है ।

चन्द्र शेखर आजाद पार्क

संग्रहालय से सटे इस शानदार पार्क को कंपनी बाग के रूप में जाना जाता था । यहाँ इमारतों के अतिरिक्त सार्वजनिक पुस्तकालय,जी.एन. झा अनुसंधान संस्थान और चन्द्र शेखर आजाद की मूर्ति है । इस पार्क का नाम महान शहीद स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के नाम पर रखा गया है।

पत्थर गिरजाघर

यह शानदार गिरजाघर 1870 में सर विलियम एमर्सन द्वारा डिजाइन किया गया और 1887 में निर्मित किया गया ।इस गिरजाघर की खूबसूरती प्रत्येक आगंतुक को प्रभावित करती है।

खुसरो बाग

एक बड़ा बगीचा है जिसमें खुसरो, सम्राट जहागीर और शाह बेगम के बेटे की कब्रें स्थित हैं ।

पब्लिक पुस्तालय

चन्द्र शेखर आजाद पार्क (अल्फ्रेड पार्क) में स्थायी एक स्मारक,एक बुलंद टावर और तोरणयुक्त मठ है। 1879 में, पुस्तकालय चन्द्र शेखर आजाद पार्क (अल्फ्रेड पार्क) परिसर को स्थानांतरित कर दिया गया था ।इसमें 75 000 किताबें मौजूद हैं ।इसमें पांडुलिपियों और पत्रिकाओं का एक खजाना है ।

मेयो मेमोरियल हॉल

थॉर्नहिल और मेयो मेमोरियल के पास यह हॉल स्थित है। इस बड़े हॉल में एक 180 फुट ऊँचा टॉवर है।इस मेमोरियल हॉल के इंटीरियर डिजाइन साथ दक्षिण केंसिंग्टन संग्रहालय, लंदन के प्रोफेसर गैंबल से अलंकृत किया गया। 1879 में बना यह हॉल सार्वजनिक बैठकों, वायसराय की स्मृति में और स्वागत के लिए बनाया गया था ।

भीषण गर्मी के चलते अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का स्टैच्यू पिघला

वाशिंगटन। वाशिंगटन डीसी में अत्यधिक गर्मी से गंभीर पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन का मोम का स्टैच्यू पिघल गया है। 6 फीट लंबी मोम की प्रतिमा का ऊपरी सिरा पिघलकर नीचे धंस गया है। गर्दन का हिस्सा पूरी तरह नीचे की तरफ झुक गया है। खुले आसमान के नीचे बनी इस प्रतिमा के कई हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। बताया जा रहा है कि सप्ताह के आखिर में वाशिंगटन डीसी में तापमान तीन अंक (फारेनहाइट) तक बढ़ गया। भीषण गर्मी के कारण स्टैच्यू का सिर अलग हो गया और उसके बाद पैर अलग हो गए, केवल धड़ ही बचा। वहीं जिस मोम की कुर्सी पर लिंकन का स्टैच्यू बनाया गया था वह भी धंस गई. लिंकन मेमोरियल स्टैच्यू के क्षतिग्रस्त सिर की फिलहाल मरम्मत चल रही है। स्टैच्यू की गर्दन का तार निकला हुआ है जिसे ठीक किया जा रहा है। वर्जीनिया स्थित कलाकार सैंडी विलियम्स द्वारा इस मोम की वैक्स स्टेच्यू को बनाया था। गैर-लाभकारी कल्चर डीसी द्वारा निर्मित यह स्मारक गैरीसन एलीमेंट्री स्कूल के मैदान में स्थित है, जो कभी कैंप बार्कर का स्थल था। यहां एक नागरिक युद्ध-युग का शरणार्थी शिविर था। वर्जीनिया स्थित कलाकार सैंडी विलियम्स ने द्वारा इस मोम की वैक्स स्टेच्यू को बनाया था। यह सिर्फ एक स्टेच्यू ही नहीं बल्कि एक कार्यात्मक मोमबत्ती भी है। वैसे यह पहली बार नहीं है जब कलाकृति को पिघलने की समस्या का सामना करना पड़ा है।बता दें कि इन दिनों भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देशों में भीषण गर्मी पड़ रही है। जिससे लोगों का जीना मुहाल हो गया है। गर्मी का आलम ये है लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। अमेरिका में भी गर्मी का प्रकोप जारी है। जिसका असर वहां के नागरिकों के साथ ही मूर्तियों पर भी पड़ रहा है। अमेरिका में चिलचिलाती गर्मी की वजह से देश के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की मोम की स्टैच्यू को भी नुकसान पहुंचा है।

ऑस्ट्रेलिया पहुंचे विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे, पत्नी को लगाया गले

वाशिंगटन। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे बुधवार को ऑस्ट्रेलिया पहुंचे और अमेरिकी जासूसी कानूनों का उल्लंघन करने का दोषी मानने के बाद अपनी पत्नी स्टेला से फिर मिले। इस दलील समझौते ने उनकी 14 साल की कानूनी लड़ाई का अंत कर दिया और अंततः उन्हें आज़ाद कर दिया। जूलियन असांजे कैनबरा हवाई अड्डे पर एक निजी जेट से उतरे, इंतजार कर रहे मीडिया का हाथ हिलाकर स्वागत किया और फिर अपनी पत्नी को जमीन से उठाकर पूरी भावना के साथ चूमा। अदालत में दायर एक पत्र में अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, उनसे गैरकानूनी तरीके से वर्गीकृत राष्ट्रीय रक्षा जानकारी प्राप्त करने और प्रसारित करने की साजिश रचने के जासूसी अधिनियम के आरोप में दोषी ठहराए जाने की उम्मीद है। अपनी याचिका और सजा सुनाए जाने के बाद असांजे के अपने गृह देश ऑस्ट्रेलिया लौटने की उम्मीद है। अभियोजकों ने कहा कि महाद्वीपीय अमेरिका की यात्रा पर असांजे के विरोध और अदालत की ऑस्ट्रेलिया से निकटता के कारण सुनवाई सायपन में हो रही है। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलियाई संपादक और प्रकाशक असांजे को 2010 में तब सुर्खियां मिली जब उनके संगठन विकीलीक्स ने इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी युद्धों से संबंधित लगभग पांच लाख दस्तावेज जारी किए। अमेरिकी सरकार के अनुसार, उन्होंने सैन्य खुफिया विश्लेषक चेल्सी मैनिंग के साथ मिलकर अपनी विकीलीक्स वेबसाइट का उपयोग करके हजारों रिपोर्टों का खुलासा करने की साजिश रची, जिसने विदेशों में अमेरिकी सैन्य कदाचार को उजागर किया।

कराची की सड़कों, नालों और कूड़ेदानों के पास मिल रहा है रहस्यमयी लाशों का ढेर, अभी तक किसी की भी पहचान नहीं, पाकिस्तान में अलर्ट जारी

कराची शहर रहस्यमयी और चिंताजनक प्रवृत्ति से जूझ रहा है, क्योंकि महानगर के विभिन्न इलाकों में मिले अज्ञात शवों की संख्या अब 22 तक पहुंच गई है, जियो न्यूज ने बुधवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान के गैर-लाभकारी कल्याण संगठन के स्वयंसेवकों के प्रयासों के बावजूद 22 में से किसी भी शव की पहचान नहीं हो पाई है। मंगलवार को पांच नए शव मिले, जिससे अज्ञात मौतों की बढ़ती सूची में इजाफा हुआ है। छीपा वेलफेयर एसोसिएशन के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि उसके स्वयंसेवकों को कराची के विभिन्न इलाकों में पांच और शव मिले हैं। फ़उनमें से तीन नशेड़ी लग रहे थे, हालांकि, अभी तक एक भी शव की पहचान नहीं हो पाई है।फ़ जियो न्यूज के अनुसार, छीपा शहर में एंबुलेंस का नेटवर्क चलाते हैं और उन्होंने पुष्टि की है कि अज्ञात शवों की संख्या 22 तक पहुंच गई है। 22 में से करीब दो दर्जन शव अभी भी लावारिस हैं, क्योंकि मृतकों के कोई रिश्तेदार उन्हें लेने नहीं आए।

इन मौतों का कारण क्या है?

कराची में हुई मौतों का कारण बंदरगाह शहर में चल रही भीषण गर्मी को बताया जा रहा है। शहर के कई नागरिक भीषण गर्मी से प्रभावित हुए हैं, जिनमें से कई को हीटस्ट्रोक के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है। माना जा रहा है कि शहर में ड्रग्स की समस्या भी है। कराची में ईधी फाउंडेशन के एक अधिकारी अजीम खान ने द न्यूज को बताया कि कराची में मृत पाए गए लोगों में से अधिकांश लोग ड्रग्स के आदी थे, जो ड्रग्स के प्रभाव में अत्यधिक गर्मी के कारण मर गए।

एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ नागरिक पर भी ड्रग उपयोगकर्ताओं के एक समूह ने क्रूरतापूर्वक हमला किया, जब उसने अपने घर के बाहर खुलेआम ड्रग्स का सेवन करने के बारे में पूछा। यह घटना पाकिस्तान में ड्रग दुरुपयोग की बढ़ती समस्या को रेखांकित करती है, खासकर हाल के दिनों में 'आइस' या क्रिस्टल मेथामफेटामाइन के बढ़ते प्रचलन को। आइस की उपलब्धता में आसानी और अन्य दवाओं की तुलना में इसकी अपेक्षाकृत कम लागत ने युवा पाकिस्तानियों के बीच इसकी लोकप्रियता में योगदान दिया है।

प्रेग्नेंसी में 24 किग्रा से अधिक नहीं बढ़ने देना चाहिए वजन, ताजा अध्ययन के बाद कहा वैज्ञानिकों ने

वाशिंगटन। एक स्टडी की मानें तो सामान्य या कम बॉडी मास इंडेक्स वाली प्रेग्नेंट महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान अपना वजन 24 किग्रा से अधिक नहीं बढ़ने देना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, इससे गर्भस्थ शिशु के बीमार होने का जोखिम कम होता है। प्रेग्नेंट महिलाओं का वजन कितना होना चाहिए ये निर्धारित करने के लिए वुहान यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में रिसर्चर्स ने प्रेग्नेंसी के डेढ़ करोड़ से अधिक आंकड़ों की स्टडी की। निष्कर्षों के आधार पर रिसर्चर्स ने सिफारिश की है कि हाई बीएमआई वाली महिलाओं को प्रेग्नेंसी के दौरान वजन को बरकरार रखने या कम करने के लिए प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए, लेकिन उन्हें इस बात के लिए प्रेरित करना चाहिए कि इस अवधि में वे अपना वजन कम बढ़ने दें। रिसर्च टीम का कहना है कि प्रेग्नेंसी के दौरान हल्की मोटापाग्रस्त महिलाओं को आदर्श रूप से अपना वजन 8-16 किग्रा तक ही बढ़ने देना चाहिए। जांच वुहान यूनिवर्सिटी के झोंगनान अस्पताल के प्रसूति रोग विशेषज्ञ हुइजुन चेन द्वारा की गई। रिसर्चर्स का कहना है कि प्रेग्नेंसी के दौरान अनुचित वजन बढ़ने से प्रतिकूल परिणाम सामने आ सकते हैं।इस स्टडी में 1 करोड़ 58 लाख मातृ-शिशुओं के हेल्थ डेटा का विश्लेषण किया गया। रिसर्चर्स ने पाया कि जिन महिलाओं का वजन प्रेग्नेंसी की शुरुआत में कम या सामान्य था, उनके लिए वजन बढ़ने का आदर्श स्तर 12 से 24 किलो था। अधिक वजन वाली महिलाओं के लिए 10 से 24 किलो था। वहीं, मध्यम मोटापाग्रस्त महिलाओं को आठ से 16 किलोग्राम तक ही वजन बढ़ने देने का सुझाव दिया। बता दें कि आमतौर पर ये कहा जाता है कि प्रेग्नेंसी में महिलाओं के वजन में इजाफा होने लगता है। ऐसा इसलिए भी होता है, क्योंकि इस दौरान गर्भवती महिला की डाइट बढ़ा दी जाती है और फिजिकल वर्क भी काफी कम हो जाता है, इसलिए वजन बढ़ता है।

मिनीसोटा में आई बाढ़ के बीच ही रेपीडेम डेम में जमा हुआ कचरा।

कालापानी, लिपुलेख नेपाल का हिस्सा...पीएम प्रचंड ने भारत के क्षेत्रों को लेकर फिर दिया विवादित बयान

काठमांडू। नेपाल के प्रधान मंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' ने कहा कि उनकी सरकार स्पष्ट और दृढ़ है कि लिंपियाधुरा, कालापानी और लिपु दर्रे सहित महाकाली नदी के पूर्व के सभी क्षेत्र नेपाली क्षेत्रों के अंतर्गत आते हैं। प्रचंड ने प्रतिनिधि सभा में विनियोग विधेयक, 2081 के तहत विदेश मंत्रालय के शीर्षकों पर चर्चा के दौरान सांसदों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की। उन्होंने याद दिलाया कि 1816 में नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी सरकार के बीच हस्ताक्षरित सुगौली संधि के अनुसार, ये क्षेत्र नेपाल के हैं और इन क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक राजनीतिक मानचित्र भी प्रकाशित किया गया है। प्रचंड ने कहा कि अपनी हालिया भारत यात्रा के दौरान, उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी से सीमा सहित सभी लंबित मुद्दों को जल्द से जल्द हल करने का अनुरोध किया था और प्रधान मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी और मामले पर आगे बढ़ने पर सहमति व्यक्त की थी।

भारत-नेपाल सीमा विवाद

यह याद रखने योग्य है कि नेपाल की सरकार ने मई 2020 में केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान अपने क्षेत्र में लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को शामिल करते हुए अपने नए राजनीतिक मानचित्र का अनावरण किया था। बाद में संसद ने सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया। नेपाल द्वारा मानचित्र जारी करने के बाद, भारत ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे 'एकतरफा कृत्य' बताया और काठमांडू को चेतावनी दी कि क्षेत्रीय दावों का ऐसा 'कृत्रिम विस्तार' उसे स्वीकार्य नहीं होगा। भारत का कहना है कि लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा उसके हैं।

संयुक्त राष्ट्र मंच पर पाकिस्तान ने उठाया कश्मीर मुद्दा

– भारत ने बताया निराधार व कपटपूर्ण बयानबाजी

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मंच पर कश्मीर मुद्दे को शामिल करने के पाकिस्तान के प्रयास की निंदा की है। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन के मंत्री प्रतीक माथुर ने कहा कि उसने ऐसा करके मंच का दुरुपयोग निराधार और कपटपूर्ण बयानबाजी करने के लिए किया है, जो आश्चर्य की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं संयुक्त राष्ट्र मंच का कीमती समय बचाने के लिए इन टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दूंगा।

माथुर ने मंच पर पाकिस्तान का नाम भी नहीं लिया। इसलिए पाकिस्तान को जवाब देने का अधिकार नहीं मिला। कश्मीर का मुद्दा संयुक्त राष्ट्र में चर्चा का विषय नहीं था, इसलिए पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम इसे बार-बार फिलिस्तीन से जोड़ने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने ऐसा ही किया, लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र महासभा की एक बैठक में पाकिस्तान के अलावा केवल एक ही देश ने कश्मीर का उल्लेख किया था। 191 देशों ने इसे अनदेखा कर दिया था। यहां तक कि तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने भी इस पर एक हल्की टिप्पणी की थी। उन्होंने इतना कहा था कि भारत और पाकिस्तान द्वारा बातचीत के जरिए से विवाद को हल करने से दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी माना था कि इस्लामाबाद संयुक्त राष्ट्र में अपने मुद्दे के लिए समर्थन नहीं जुटा पा रहा है। भारत का कहना है कि कश्मीर का मुद्दा और दूसरे सभी विवाद दोनों देशों के बीच हुए 1972 के शिमला समझौते के तहत द्विपक्षीय मामले हैं, जिस पर जुल्फिकार अली भुट्टो, जो उस समय पाकिस्तान के राष्ट्रपति थे, और भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने हस्ताक्षर किए थे। कश्मीर में जनमत संग्रह के लिए सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव पर इस्लामाबाद एक महत्वपूर्ण बात की अनदेखी करता है कि उसे पहले कश्मीर के सभी क्षेत्रों से हटना होगा, जिस पर उसने कब्जा कर रखा है।

क्या परमाणु हमले की तैयारी कर रहा रूस? पुतिन करेंगे परमाणु सिद्धांत में बदलाव

मॉस्को (एजेंसी)। रूस अपने परमाणु हथियारों को इस्तेमाल करने वाली नीति में बदलाव करने जा रहा है. ऐसा करने के बाद रूस कम समय में परमाणु हमला करने का निर्णय ले सकेगा। रॉयटर्स ने स्टीवर्ट के हवाले से कहा कि यह उनकी संज्ञानात्मक क्षमता का एक अविश्वसनीय परीक्षण है। यह हमारे लिए यह देखने का मौका है कि उनमें कितनी गिरावट आई है या उन्होंने गिरावट की है या नहीं। बाइडेन वर्तमान में कैंप डेविड में हैं, अपने पूर्व चीफ ऑफ स्टाफ रॉन क्लेन के नेतृत्व में अपने सहयोगियों के साथ बहस की तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। क्लेन ने मार्च में बिडेन के स्टेट ऑफ द यूनियन भाषण की तैयारी में भी सहायता की।

संसद की रक्षा समिति के अध्यक्ष ने कहा कि अगर मॉस्को को लगता है कि खतरे बढ़ रहे हैं, तो रूस, दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु शक्ति, परमाणु हथियारों के उपयोग के लिए आधिकारिक नीति में निर्धारित निर्णय लेने के समय को कम कर सकता है। यूक्रेन में युद्ध ने 1962 के क्यूबा मिसाइल संकट के बाद से रूस और पश्चिम के बीच सबसे बड़े टकराव को जन्म दिया है, राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पिछले महीने कहा था कि रूस उन शर्तों को निर्धारित करते हुए अपने आधिकारिक परमाणु सिद्धांत को बदल सकता है जिनके तहत ऐसे हथियारों का इस्तेमाल किया जा सकता है। रूसी संसद के निचले सदन की रक्षा समिति के प्रमुख आंद्रेई कार्तपोलोव को राज्य समाचार एजेंसी आरआईए ने यह कहते हुए उद्धृत किया कि अगर खतरे बढ़ते हैं तो ऐसे हथियारों के इस्तेमाल के लिए निर्णय लेने का समय बदला जा सकता है। आरआईए ने कार्तपोलोव के हवाले से कहा, 'अगर हम देखते हैं कि चुनौतियां और खतरे बढ़ते हैं, तो इसका मतलब है कि हम परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के समय और इसे इस्तेमाल करने के निर्णय के संबंध में (सिद्धांत) में कुछ सुधार कर सकते हैं।

केन्या में हुई हिंसा में अब तक 23 लोगों की मौत, प्रदर्शन का क्या है ओबामा कनेक्शन?

वाशिंगटन (एजेंसी)। केन्या में हजारों प्रदर्शनकारियों ने संसद में तोड़फोड़ मचा दी है। हिंसा में अब तक 23 लोगों की मौत की खबर सामने आई है। केन्या की विधानसभा में घुसने की कोशिश कर रहे प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने गोलियां चला दीं, जिसमें कम से कम पांच प्रदर्शनकारी मारे गए, दर्जनों घायल हो गए और संसद भवन के कुछ हिस्सों में आग लगा दी गई। केन्याई कार्यकर्ता औमा ओबामा, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा की सौतेली बहन, नैरोबी में संसद भवन के बाहर प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों में से एक थीं।

भारत ने जारी की एडवाइजरी

भारत ने केन्या में कर वृद्धि के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शन के हिंसक हो जाने के बाद अपने नागरिकों को 'अत्यधिक सावधानी' बरतने की सलाह दी। केन्या में भारतीय वाणिज्य दूतावास ने एक सलाह जारी करते हुए कहा कि मौजूदा तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए, केन्या में सभी भारतीयों को अत्यधिक सावधानी बरतने, गैर-जरूरी आवाजाही को प्रतिबंधित करने और स्थिति साफ होने तक विरोध और हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों से बचने की सलाह दी जाती है।

केन्या में क्यों बिगड़े हालात

प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति रूटो पर आरोप लगाया है कि उन्होंने 2022 में राष्ट्रपति बनने के बाद जनता के साथ धोखा किया है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि रूटो ने गरीबों की मदद करने का वादा किया था। उन्होंने टैक्स न बढ़ाने और लोन की लागत को कम करने के लिए सरकार के नए विधेयक को खारिज करने की बात कही थी। प्रदर्शनकारियों ने वित्त वधेयक को वापस लेने की मांग की और रूटो के प्रशासन को चेतावनी दी है कि वह सत्ता से उसे बाहर कर देंगे। फिलहाल हालत गंभीर और तनावपूर्ण है। कई जगह सड़कों पर भी आगजनी देखने को मिल रही है।

जो अमेरिका जैसा देश नहीं कर सका वो चीन ने कर दिखाया

– चांद के सुदूर हिस्से की मिट्टी धरती पर लाया, अब खुलेंगे कई राज

बीजिंग (एजेंसी)। चीन जो अक्सर दुनिया में सबसे आगे रहने की होड़ में लगा रहता है खासकर वह अमेरिका से आगे रहना चाहता है। इस बार उसने एक कारनामा कर दिखाया है जिसे अमेरिका क्या दुनिया का कोई देश नहीं कर सका। चीन ने चंद्रमा के सुदूर हिस्से की मिट्टी का सैंपल लेकर धरती पर लौटा आया है। चांग ई-6 मंगलवार को इनर मंगोलिया के रेगिस्तान में उतरा। वैज्ञानिक चांग ई-6 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि ये सैंपल हमारे ग्रह के निर्माण से जुड़े रहस्यों का खुलासा करेंगे। बता दें चंद्रमा का सुदूर हिस्सा वह होता है, जो पृथ्वी से दिखाई नहीं देता। चीन दुनिया का एकमात्र देश है जो यहां पर उतरा और सबसे पहले 2019 में इसके अंतरिक्ष यान ने लैंडिंग की थी।

पृथ्वी से न दिखने, दूरी और विशाल गड्ढों वाला चांद का यह कठिन इलाका होने के कारण यहां पर जाना चुनौतीपूर्ण है। यह चांद का वह क्षेत्र है, जिसके बारे में बेहद कम खोज हुई है। वैज्ञानिकों की इसमें रुचि भी है। चीन कई सालों से लगातार चंद्रमा से जुड़े मिशन को आगे बढ़ा रहा है। चांग ई-6 चीन के लिए गर्व की बात है। चीन के चंद्रमा मिशन ने नासा का भी ध्यान अपनी ओर खींचा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगोलिया के रेगिस्तान में चांग ई-6 कैप्सूल के उतरने के बाद अधिकारियों ने चीनी झंडा फहराया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस कामयाबी के लिए चांग ई-6 मिशन की टीम को बधाई दी है। जिनपिंग ने उम्मीद जताई है कि वे गहरे अंतरिक्ष की खोज जारी रखेगा और ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझाने में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि इस खोज से मानवता को लाभ मिलेगा और देश आगे बढ़ेगा। चांग ई-6 मई की शुरुआत में चांद पर गया था। कुछ सप्ताह बाद वह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के करीब एक क्रेटर में सफलतापूर्वक उतरा। ये मिशन 53 दिनों तक चला।

रिपोर्ट के मुताबिक कैप्सूल को बीजिंग भेजा जाएगा और नमूने वहां निकाले जाएंगे। चांग ई-6 चीन का छठा मिशन है। सुदूर क्षेत्र में उतरने का यह उसका दूसरा मिशन है। चीन के अंतरिक्ष यान ने एक रोबोटिक की मदद से चांद की मिट्टी और चट्टानों को भरा। सतह की कुछ तस्वीरें भी ली और एक चीनी झंडा भी लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक स्कॉटलैंड की खगोलशास्त्री कैथरीन हेमैन्स ने उम्मीद जताई की सैंपल यह जानने में मदद करेगा कि आखिर 4.5 अरब साल पहले चंद्रमा का निर्माण कैसे हुआ और क्या इसका कारण पृथ्वी के साथ टक्कर थी? इसके अलावा पिछले हिस्से में कई महत्वपूर्ण खनिज हो सकते हैं।

सऊदी अरब में आया परिवर्तनकारी बदलाव, युवा कर रहे डेटिंग, महिलाओं को मिली आजादी

–बदलाव के पीछे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की अच्छी सोच

रियाद (एजेंसी)। दशकों बाद अब सऊदी अरब में परिवर्तनकारी बदलाव आ रहे हैं। सऊदी अब अपनी युवा पीढ़ी को उन बंधनों से आजाद कर रहा है, जो पिछली कई पीढ़ियों को अपने सपने पूरा करने से रोकते थे। सऊदी के युवा अब अपनी पसंद के करियर को आगे बढ़ा सकते हैं और मनोरंजन स्थलों पर घूम रहे है, जहां पुरुषों और महिलाओं को आपस में मिलने-जुलने की इजाजत है। ये ऐसी सामाजिक स्वतंत्रताएं हैं, जिन्हें लंबे समय तक सऊदी के समाज में अच्छा नहीं माना जाता था।

सऊदी महिलाओं को खासतौर से बीते सालों में कई अधिकार मिले हैं जिसमें ड्राइविंग, शैक्षिक और यात्रा विकल्पों में आजादी है। आर्थिक, कानूनी

और सामाजिक परिवर्तनों ने महिलाओं के अधिकारों को व्यापक सुधार एजेंडे के तहत बदला गया है। इन बदलावों के पीछे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की अच्छी सोच है। मोहम्मद बिन सलमान को 2015 में उनके पिता किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज के सिंहासन पर बैठने के दो साल बाद क्राउन प्रिंस बनाया था। इसके बाद उनके हाथ में ही सऊदी की सत्ता आ गई।

एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल वर्कफोर्स में महिलाओं की भागीदारी 36 फीसदी तक पहुंच गई, जो 2016 के आंकड़े से दो गुना ज्यादा है। ऐसा कानूनों में ढील के कारण हुआ है। अब सऊदी में 21 साल से ज्यादा की महिलाओं को घर से बाहर जाने, विवाह का पंजीकरण कराने या पासपोर्ट के लिए किसी पुरुष या रिश्तेदार की इजाजत की जरुरत नहीं है। आए बदलाव को कार्यस्थल, पारिवारिक जीवन और डेटिंग और विवाह जैसे जगहों पर देखा जा सकता है।

सऊदी में यह ऐतिहासिक परिवर्तन मोहम्मद बिन सलमान के विजन 2030 कार्यक्रम से प्रेरित है, जो कि 2016 में शुरू किया गया एक ट्रिलियन डॉलर का मास्टर प्लान है। इसका उद्देश्य तेल पर निर्भरता को कम करना और अर्थव्यवस्था को एक क्षेत्रीय व्यापार और निवेश के रूप में विविधता प्रदान करना है। एक रिपोर्ट में विश्व बैंक ने कुछ ही सालों में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने में सऊदी अरब की उपलब्धियों का जिक्र किया है। वाशिंगटन में सऊदी अमेरिकी जनसंपर्क मामलों की समिति के संस्थापक और अध्यक्ष सलमान अल अंसारी कहते हैं कि पारंपरिक धार्मिक पाठ्यक्रम को बहुत महत्व देने वाले कुछ लोग इन बदलावों को लेकर चिंतित हैं लेकिन युवा पीढ़ी को वैश्वीकृत अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने के लिए इन परिवर्तनों की जरुरत है। सऊदी महिलाओं की महत्वाकांक्षाओं की बढ़ती स्वीकृति और प्रोत्साहन का अर्थ है कि परिवार अब अपनी बेटियों की उपलब्धियों का जश्न मनाते हैं, जो एक अधिक प्रगतिशील सामाजिक मानसिकता को दर्शाता है। इस बदलाव के परिणामस्वरूप महिलाओं के लिए एक व्यापक समर्थन नेटवर्क का निर्माण हुआ है, जो जीवन के सार्वजनिक और पेशेवर क्षेत्रों में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।

जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था में विविधता आ रही है और समाज खुल रहा है। युवा सउदी उभरते सांस्कृतिक, विरासत और पर्यटन क्षेत्रों में सरकार के लिए काम करने के लिए राजधानी रियाद की ओर रुख कर रहे हैं। गल्फ स्टेट्स इंस्टीट्यूट के दीवान कहते हैं कि नए मंत्रालयों और एजेंसियों में युवाओं की भागीदारी चौंकाने वाली है। सऊदी महिलाएं घर से दूर जाने, अपने परिवार की निगरानी के बिना स्वतंत्र रूप से रहने और काम करने के अवसर को भुना रही हैं। युवा अब डेटिंग ऐप जैसी सुविधाओ का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। इसने कहीं ना कहीं धार्मिक कट्टरपंथियों को भी कर कर दिया है।

अंसारी ने कहा कि सुधारों ने सऊदी लोगों के दैनिक जीवन में अहम बदलाव किया है। सऊदी अरब के परिवर्तन के कुछ तत्व हैं जो अन्य मुस्लिम बहुल देशों मलेशिया और इंडोनेशिया के साथ समानताएं दर्शा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उदार इस्लाम, आधुनिकीकरण और आर्थिक विविधीकरण पर सऊदी का जोर मलेशिया के विकास मॉडल के कुछ पहलुओं को प्रतिध्वनित करता है।

पुणे में मिला जीका वायरस, डॉक्टर और उनकी बेटी पॉजिटिव निकले

-स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप, दोनों का अस्पताल में चल रहा इलाज

पुणे। अभी कोरोना महामारी का ख्याल दिमाग से निकला भी नहीं है कि एक और वायरस ने लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। महाराष्ट्र के पुणे शहर में एक डॉक्टर और उनकी बेटी जीका वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। यह मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। वहीं विभागीय अधिकारियों का कहना है कि डॉक्टर और उनकी बेटी की हालत स्थिर है। बताया जा रहा है डॉक्टर को बुखार आया था और शरीर पर चकत्ते नजर आए। इसके बाद उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया उनके ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजे गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुणे नगर निगम के एक स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि 21 जून को जब डॉक्टर की ब्लड रिपोर्ट आई तो पता चला कि वे जीका वायरस से संक्रमित हैं। डॉक्टर एरंडवाने इलाके में रहते हैं। उनके पॉजिटिव आने के बाद परिवार के पांच अन्य सदस्यों के ब्लड सैंपल जांच के लिए भेजे गए, जिसमें उनकी 15 साल की बेटी जीका वायरस से संक्रमित पाई गई। दोनों का अस्पताल में इलाज चल रहा है और स्वास्थ्य विभाग इन पर पूरी नजर रखे हुए हैं। बता दें जीका वायरस का पहला मामला साल 1947 में युगांडा में सामने आया था। उस समय बंदरों में जीका की पुष्टि हुई थी। इंसानों में जीका का पहला मामला साल 1952 में सामने आया। जीका वायरस का प्रकोप बड़े पैमाने पर 2007 में याप आइलैंड में देखने को मिला था। इसके बाद 2013-2014 में फ्रांस के पोलिनिसिया में जीका ने तबाही मचाई। इसके अगले साल ब्राजील में और अक्टूबर 2015 से जनवरी 2016 के बीच ब्राजील में करीब चार हजार बच्चे जीका वायरस के साथ पैदा हुए थे।

लव मैरिज से नाराज भाईयों ने बहन और जीजा को मारी गोली

हिसार। हिसार में लव मैरिज करने वाले युगल प्रेमी की पार्क में बुलाकर हत्या कर दी गई। इस मामले में मृतक लड़की के भाई और उसके मामा के लड़के को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों ने मिलकर अपनी बहन और उसके पति की हांसी के लाला हुकूम चंद जैन पार्क में गोली मारकर हत्या कर दी। हांसी के एसपी मकसूद अहमद ने बताया कि दो महीने पहले अप्रैल में मीना (24) और तेजवीर (27) ने गाजियाबाद के आर्य समाज मंदिर में लव मैरिज की थी। मीना का परिवार इस शादी के खिलाफ था और गुस्से में था। बहन के इस तरह शादी करने से खफा लड़की के भाई ने अपनी बहन और जीजा को फोनकर लाला हुकुम चंद जैन पार्क में बुलाया और गोली मारकर दो प्यार करने वालों को हमेशा के लिए मौत की नींद सुला दिया। पुलिस ने सुल्तानपुर गांव के रहने वाले मीना के छोटे भाई सचिन (21) और उसके मामा के बेटे राहुल (22) को गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने ही नवविवाहित जोड़े की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक तेजवीर के पिता की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया था। तेजवीर के पिता ने 11 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने जांच के दौरान पाया कि हत्या की साजिश मृतक लड़की के भाई ने ही रची थी। एसपी ने बताया कि अगर इनके अलावा और कोई सदस्य हत्या में शामिल पाया जाता है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में इस सप्ताह होगी झमाझम बारिश, लोगों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में प्री-मॉनसून ने दस्तक दे दी हैं लेकिन अभी भी दिल्ली के लोग उमस से परेशान है। वहीं, आईएमडी ने इस सप्ताह के आखिर में दिल्ली में तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में आज 26 जून से 2 जुलाई तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश होने के आसार हैं। दिल्ली में 30 जून के आसपास मानसून आ जाएगा, जिससे दिल्ली में तेज बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में इन दिनों बादलों की आवाजाही से उमस भरी गर्मी से लोग परेशान है। हवा भी नहीं चल रही है। मौसम विभाग का कहना है कि जब तक दिल्ली में मानसून नहीं आएगा तब तक मौसम ऐसा ही रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली में 28 से 30 जून के बीच गरज-चमक के साथ तेज बारिश की संभावना है। वहीं, पूरे हफ्ते दिल्ली का अधिकतम तापमान 34 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है और न्यूनतम तापमान 27 से 30 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने की संभावना है।

राहुल गांधी को मानहानि केस में दो जुलाई को कोर्ट ने किया तलब

-कर्नाटक विस चुनाव के दौरान अमित शाह पर दिया था आपत्तिजनक बयान

सुल्तानपुर। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और 18वीं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दो जुलाई को तलब किया है। एक मानहानि मामले में राहुल 20 फरवरी से जमानत पर हैं। इस दौरान राहुल गांधी को कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराना है। दरअसल, साढ़े पांच साल वर्ष पहले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान एक पत्रकारवार्ता में राहुल गांधी ने तत्कालीन बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और वर्तमान गृह मंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक बयान दिया था। इससे आहत होकर सुल्तानपुर के भाजपा नेता विजय मिश्र ने राहुल गांधी के खिलाफ याचिका दाखिल की थी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर ली थी। इस मामले में राहुल गांधी बीते फरवरी माह में सुल्तानपुर के दीवानी अदालत पहुंचे थे और अपनी जमानत करवा ली थी। इस मामले में सुल्तानपुर के रहने वाले राम प्रताप पुत्र राम नेवाज़ ने अपने को पक्षकार बनाए जाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राम प्रताप की याचिका खारिज कर दी। अब इस मामले में दो जुलाई को सुनवाई होगी और राहुल गांधी को बयान दर्ज करने व्यक्तिगत रूप से स्वयं कोर्ट में पेश होना है। सुल्तानपुर में मानहानि के मामले में राहुल गांधी दो जुलाई को एमपी एमएलए कोर्ट ने किया तलब किया गया है।

युवाओं को नशे का आदी बनाने वाले पब और रेस्त्रां पर चला बुलडोजर

-इन प्रतिष्ठानों में नशा परोसाने की मिल रहीं थीं शिकायतें

पुणे। महाराष्ट्र का पुणे शहर कई दिनों से सुर्खियों में है। पहले एक बार नाबालिग को शराब परोसने का मामला सामने आया। वहीं अब बार के अंदर ड्रग्स इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इतना ही नहीं, पुणे नगर निगम ने भी इस बार के खिलाफ कार्रवाई की है। दरअसल, महाराष्ट्र सरकार ने शहर में नियमों का उल्लंघन करने वाले प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करने का आदेश दिया था। नगर निगम ने ड्रग्स इस्तेमाल से जुड़े बार को बुलडोजर से जमींदोज कर दिया है, जबकि पुलिस ने इसके मालिकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुणे नगर निगम के मुताबिक शहर में पब, रेस्तरां और रेस्त्रां समेत 20 से ज्यादा प्रतिष्ठानों के खिलाफ मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए चलाए अभियान में फर्ग्यूसन कॉलेज रोड पर लिक्विड लीजर लाउंज बार के अंदर 125 वर्ग मीटर के अनधिकृत ढांचे को गिरा दिया है। यह कार्रवाई तब की गई जब एल 3 के अंदर मानदंडों का उल्लंघन करते हुए कुछ बदलाव किए गए थे।

पंजाब में 10 हजार पुलिसकर्मियों का ट्रांसफर...भाजपा का आरोप क्या इन्होंने चुनाव में मदद नहीं की

चंडीगढ़। पंजाब में हाल ही में 10 हजार पुलिस बलों का ट्रांसफर किया गया था। इस लेकर अब विपक्षी दलों ने सवाल खड़े किए हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से मांग की है कि ये साफ करें कि क्या 10,000 पंजाब पुलिसकर्मियों का तबादला ड्रग माफिया से संबंधों के कारण किया गया है या हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में विपक्षी दलों की मदद करने की वजह से हुआ है। पुलिस कर्मियों के ट्रांसफर मामले में मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग कर भाजपा नेता चुघ ने कहा कि इस गंभीर मामले में पंजाब को गुमराह करना मुख्यमंत्री की ओर से अत्यधिक गैर-जिम्मेदाराना है। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव ने दावा किया कि डीजीपी ने भी सीएम मान के रुख का खंडन कर कहा कि ट्रांसफर नियमित तरीके से किए गए थे और उनका ड्रग माफिया से कोई लेना-देना नहीं था।

मैं हर मोर्चे पर कांग्रेस के साथ : ममता

-राहुल गांधी ने फोन पर ऐसा क्या कहा कि ममता दीदी हो गईं खुश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, अब एक परिपक्व नेता और कुशल समन्वयक के तौर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा करके मतदाता को पार्टी से जोड़ने में कामयाबी हासिल की, तो एक कुशल रणनीतिकार होने का प्रमाण भी दिया। इसके अलावा दलों और नेताओं को एकजुट करने में भी राहुल गांधी सफल हो रहे हैं। इसकी बानगी आज बुधवार को हुए लोकसभा के स्पीकर चुनाव में देखने को मिली। टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कांग्रेस से खफा थीं। उन्होंने अपनी नाराजगी भी जाहिर कर दी थी। पार्टी के दूसरे नेताओं का मानना था कि दीदी को मना पाना इतना आसान नहीं है। कोई उनसे बात करने को भी तैयार नहीं था, उन्हें लग रहा था कि दीदी नहीं मानीं तो पूरे किए कराए पर पानी फिर जाएगा। इसके बाद खुद राहुल गांधी ने मोर्चा संभाला और सीएम ममता बनर्जी से फोन पर आधा घंटे बात की। बताया गया कि दीदी राहुल गांधी की हर एक बात से सहमत हो गईं। उन्होंने भरोसा दिलाते हुए कहा कि टीएमसी हर एक मोर्चे पर कांग्रेस के साथ खड़ी है।

18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र में ही विपक्षी गठबंधन में तकरार दिखने लगी थी। स्पीकर पद के लिए इंडिया अलायंस ने के. सुरेश को मैदान में उतारकर मोदी सरकार को चुनौती दी थी। कांग्रेस की अगुवाई वाला इंडिया अलायंस एनडीए को मात देने की पूरी कोशिश में था। इंडिया अलायंस के कैंडिडेट के सुरेश को विपक्षी सांसदों का साथ मिले, इसके लिए कांग्रेस कोई कसर नहीं छोड़ी। यही वजह है कि जैसे ही कांग्रेस को ममता की नाराजगी की खबर लगी, तुरंत राहुल गांधी ने मोर्चा संभाल लिया। राहुल गांधी ने आनन-फानन में ममता बनर्जी को फोन घुमाया और करीब 30 मिनट तक बातचीत करके उन्हें मना लिया। दरअसल, मंगलवार को कांग्रेस ने के. सुरेश को स्पीकर पद के लिए अपना उम्मीदवार बनाया था। आनन-फानन में इंडिया अलायंस का उम्मीदवार बनाए जाने के बाद ममता बनर्जी की टीएमसी कांग्रेस से खफा हो गई। टीएमसी ने आरोप लगाया कि विपक्ष के स्पीकर कैंडिडेट को लेकर उससे राय नहीं ली गई। यही वजह है कि टीएमसी ने समर्थन पत्र पर साइन नहीं किया था। टीएमसी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस ने अपनी मर्जी से के. सुरेश को मैदान में उतारने का फैसला कर लिया।

राहुल गांधी ने तुरंत ममता बनर्जी को फोन किया। राहुल गांधी और ममता बनर्जी के बीच करीब आधे घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। इस बातचीत के दौरान स्पीकर के चुनाव को लेकर भी बातचीत हुई। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने के. सुरेश के नामांकन के बारे में पहले न बताने के लिए टीएमसी से माफी मांगी। इसके बाद ममता बनर्जी मान गईं और इंडिया ब्लॉक की बैठक में टीएमसी के 2 सीनियर नेताओं को भेजने का फैसला किया। इससे पहले राहुल गांधी ने लोकसभा में अभिषेक बनर्जी से भी चर्चा की थी। इसके बाद ममता ने फैसला लिया है कि टीएमसी इंडिया अलायंस के कैंडिडेट के सुरेश का समर्थन करेगी।

सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के फोन के बाद ही ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में टीएमसी नेताओं को भेजा। हालांकि, टीएमसी ने कांग्रेस से साफ कहा कि वो बेहतर समन्वय और संवाद की अपेक्षा करती है। टीएमसी इस बात से नाराज है कि लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर के सुरेश के नामांकन से पहले कांग्रेस ने उससे बात नहीं की। अभिषेक बनर्जी ने खुलकर कांग्रेस के फैसले को एकतरफा बता दिया था। इसके बाद राहुल ने डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की। टीएमसी सूत्रों का मानना है कि ममता बनर्जी संसदीय परंपराओं में विश्वास करती हैं।

नेता प्रतिपक्ष बनाते ही बदले-बदले दिखे राहुल...कुर्ता और पायजामा में नजर आए

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा में बड़ी और अहम भूमिका निभाने वाले हैं, लिहाजा राहुल गांधी का लुक भी बदल गया है। ज्यादातर टीशर्ट में नजर आने वाले राहुल बुधवार को संसद में पहुंचे तब उनका लुक देखने वाला था। यहां राहुल कुर्ता और पायजामा पहने नजर आए। उनके लुक की काफी चर्चा भी हो रही है, क्योंकि मंगलवार को बतौर सांसद शपथ ग्रहण के वक्त भी राहुल टी-शर्ट पहने नजर आए थे। राहुल गांधी को विपक्ष की ओर ये यह बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने के बाद वह संसद में पूरी गंभीरता के साथ नजर आए। वे सफेद कुर्ता पायजामा पहने विपक्ष की ओर से अग्रिम पंक्ति में बैठे नजर आए। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष का पद काफी महत्वपूर्ण व कैबिनेट मंत्री के स्तर का होता है। संवैधानिक पदों पर होने वाली नियुक्तियों और संसदीय समितियों में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका होती है। बिरला के दोबारा लोकसभा स्पीकर चुनने के बाद जब वे अपने आसन तक गए, तब उनके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बतौर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी साथ थे।

नागालैंड में पहली बार निकाय चुनावों में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण, मतदान हुआ पूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एस.ई.सी. के एक अधिकारी ने बताया कि नागालैंड में बुधवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 25 नगर निकायों के लिए मतदान हुआ पूर्वोत्तर राज्य में यह ऐतिहासिक चुनाव था क्योंकि 20 वर्षों के अंतराल के बाद तीन नगर पालिकाओं और 22 नगर परिषदों के लिए मतदान हुआ। नागालैंड राज्य चुनाव आयोग के अधिकारी ने बताया कि शहरी स्थानीय निकाय चुनाव पहली बार 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के साथ हो रहे हैं।

सरकार ने पहले भी कई बार शहरी स्थानीय निकायों के चुनावों की घोषणा की थी, लेकिन आदिवासी निकायों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा महिलाओं के लिए आरक्षण और भूमि एवं संपत्तियों पर कर के खिलाफ आपत्तियों के कारण चुनाव स्थगित कर दिए गए थे। मतदान सुबह 7.30 बजे शुरू हुआ और शाम 4 बजे तक चला

एस.ई.सी. अधिकारियों ने बताया, 'मतदान अब तक शांतिपूर्ण रहा है। चुनाव के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।÷ 1,13,521 महिलाओं सहित 2.23 लाख से अधिक मतदाता 11 राजनीतिक दलों के 523 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम के बजाय 420 मतदान केंद्रों पर मतपत्रों के माध्यम से मतदान कराया जा रहा है।

पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) ने फैसला किया है कि क्षेत्र के छह जिले चुनाव में भाग नहीं लेंगे। ईएनपीओ, छह पूर्वी जिलों में रहने वाली सात नागा जनजातियों का शीर्ष निकाय है, जो 'सीमांत नागालैंड क्षेत्र' की मांग कर रहा है, उनका दावा है कि इस क्षेत्र को वर्षों से उपेक्षित किया गया है। ईएनपीओ क्षेत्र में 14 नगर परिषद हैं। क्षेत्र से 59 नामांकन स्वीकार किए गए थे, लेकिन आदिवासी निकायों ने उम्मीदवारों को अपने नामांकन वापस लेने के लिए मजबूर किया। ईएनपीओ ने राज्य की एकमात्र सीट के लिए 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव में भी भाग नहीं लिया।

विधानसभा में सर्वसम्मति से पास हुआ देश में जाति जनगणना कराने का प्रस्ताव, बीजेपी ने भी दिया साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु विधानसभा ने बुधवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र सरकार से जल्द ही जाति आधारित जनगणना कराने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन द्वारा पेश किए गए प्रस्ताव में इस बात पर जोर दिया गया कि केंद्र सरकार को इस बार जाति आधारित जनसंख्या जनगणना को शामिल करते हुए 2021 से अतिदेय जनगणना कार्य तुरंत शुरू करना चाहिए। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह सदन मानता है कि भारत के प्रत्येक नागरिक के लिए शिक्षा, अर्थव्यवस्था और रोजगार में समान अधिकार और समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए नीतियां बनाने के लिए जाति आधारित जनसंख्या जनगणना आवश्यक है।

भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायकों ने प्रस्ताव का समर्थन किया, जिसे सदन ने स्वीकार कर लिया। यह प्रमुख विपक्षी अन्नाद्रमुक सदस्यों की अनुपस्थिति में हुआ, जिन्हें कार्यवाही में बाधा डालने के लिए विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। अध्यक्ष एम अप्पावु ने कहा कि प्रस्ताव सर्वसम्मति से अपनाया गया।

प्रस्ताव पेश करते हुए स्टालिन ने कहा कि जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 3 के अनुसार, जनसंख्या जनगणना करने का अधिकार केवल केंद्र सरकार के पास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यद्यपि सांख्यिकी संग्रह अधिनियम, 2008, राज्य सरकारों को जनसंख्या की सामाजिक-आर्थिक स्थिति पर डेटा इकट्ठा करने की अनुमति देता है, अधिनियम की धारा 3, भाग ए राज्य सरकारों को सातवें के तहत सूचीबद्ध समुदायों पर डेटा एकत्र करने से प्रतिबंधित करता है। सांख्यिकी संग्रह अधिनियम के तहत जनगणना डेटा एकत्र करना संभव नहीं है। केंद्र सरकार द्वारा जनसंख्या जनगणना कराना ही एकमात्र विकल्प है। इसलिए हम इस बात पर जोर देते हैं कि जाति जनगणना केंद्र द्वारा कराई जानी चाहिए।

सेक्स टेप मामले में प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरू की एक अदालत ने मंगलवार को सेक्स टेप मामले में पूर्व जेडी(एस) सांसद प्रज्वल रेवन्ना की जमानत याचिका खारिज कर दी। जन प्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत ने कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार के आरोप) जोड़ी गई है और अपराध की गंभीरता को देखते हुए जमानत नहीं दी जानी चाहिए।

33 वर्षीय पूर्व सांसद को कई महिलाओं के साथ बलात्कार और यौन शोषण के आरोप में कर्नाटक पुलिस की एक टीम ने 31 मई को जर्मनी से बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

मंगलवार को यौन उत्पीड़न, पीछा करने और आपराधिक धमकी के संबंध में रेवन्ना के खिलाफ चौथा मामला दर्ज किया गया। यह मामला तब दर्ज किया गया जब रेवन्ना पर एक वीडियो कॉल रिकॉर्ड करने और उसे दूसरों के साथ साझा करने का आरोप लगाया गया।

उल्लेखनीय है कि हसन के पूर्व सांसद पर यौन उत्पीड़न के तीन मामलों में मामला दर्ज किया गया था, जब 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले हसन में रेवन्ना से जुड़े कथित तौर पर अश्लील वीडियो वाले पेन ड्राइव कथित तौर पर प्रसारित किए गए थे। उनके खिलाफ बलात्कार का भी आरोप है।

उनके खिलाफ दर्ज मामलों के बाद जेडी(एस) ने उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया।प्रज्वल रेवन्ना के

पिता एचडी रेवन्ना को भी पिछले महीने यौन उत्पीड़न और अपहरण के मामलों में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद उन्हें जमानत दे दी गई थी।

पति केजरीवाल की सीबीआई गिरफ्तारी पर बोलीं सुनीता, कानून नहीं तानाशाही है, ये इमरजेंसी है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता ने बुधवार को आरोप लगाया कि पूरी व्यवस्था यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उनके पति जेल से बाहर न आएं और इस बात पर जोर दिया कि यह सब 'तानाशाही' और 'आपातकाल' के समान है। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि जब केजरीवाल को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने की संभावना थी, तो भाजपा घबरा गई और उन्हें 'फर्जी मामले' में सीबीआई द्वारा गिरफ्तार करवा दिया गया।

सुनीता केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि 20 जून अरविंद केजरीवाल को बेल मिली। तुरंत ईडीने स्टे लगवा लिया। अगले ही दिन सीबीआई ने आरोपी बना दिया। और आज गिरफ़्तार कर लिया। पूरा तंत्र इस कोशिश में है कि बंदा जेल से बाहर ना आ जाये। ये क़ानून नहीं है। ये तानाशाही है, इमरजेंसी है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में केजरीवाल को औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया और भ्रष्टाचार मामले में आप के राष्ट्रीय संयोजक की पांच दिन की हिरासत मांगी।

ईडी द्वारा जांच की जा रही उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में केजरीवाल 1 अप्रैल से जेल में हैं। 10 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की अंतरिम जमानत दे दी थी. वह 2 जून को जेल लौट आए। उपराज्यपाल वीके सक्सेना द्वारा इसके निर्माण और कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की सिफारिश के बाद जुलाई 2022 में केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 को वापस ले लिया गया था।

मथुरा-काशी की लड़ाई लड़ने वाले वकील ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र, ओवैसी को लोकसभा से अयोग्य घोषित करने की मांग की

मुंबई (एजेंसी)। सांसद के रूप में शपथ लेने के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी द्वारा लोकसभा में 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगाने के एक दिन बाद, उन्हें लोकसभा से अयोग्य घोषित करने की मांग बढ़ने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अधिवक्ता हरि शंकर जैन ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 102 और 103 का हवाला देते हुए असदुद्दीन ओवैसी को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू के समक्ष शिकायत दर्ज की है।

वकील हरि शंकर जैन ने कहा कि इससे साबित होता है कि उनका फ़िलिस्तीन से संबंध है और वे फ़िलिस्तीन से प्रभावित और दबाव में हैं...एक नागरिक के तौर पर मुझे इस तरह की चीज़ को ख़त्म करना होगा।' राष्ट्रपति को लिखे पत्र में, हरि शंकर ने कहा, 'असदुद्दीन ओवैसी ने जो नारा लगाया है वह देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरा है. यह एक अत्यंत गंभीर और महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर भारत के संविधान के अनुच्छेद 103 के साथ पठित अनुच्छेद 102 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तत्काल ध्यान देने और उचित कार्रवाई की आवश्यकता है।'

हरि शंकर जैन ने बुधवार को बताया, 'अगर कोई व्यक्ति भारत के बजाय किसी अन्य देश के प्रति समर्पित है, तो उसे किसी भी संवैधानिक पद पर रहने का अधिकार नहीं है।' हैदराबाद के सांसद ने मंगलवार को उर्दू में शपथ ली। शपथ लेने के बाद, ओवैसी ने संविधान निर्माता, बीआर अंबेडकर, उनके राज्य तेलंगाना की सराहना करना जारी रखा और 'जय फिलिस्तीन' का नारा लगाया, जिससे सत्ता पक्ष में हंगामा शुरू हो गया। बीजेपी सांसदों की आपत्ति के बाद, ओवैसी ने अपने कृत्य का बचाव करते हुए सदन के बाहर मीडिया से कहा कि 'जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन' कहने में कुछ भी गलत नहीं है।

भारत में गहराता जल संकट .... पैदा कर सकता है सामाजिक अशांति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में पानी की बढ़ती कमी कृषि तथा उद्योग क्षेत्र को प्रभावित कर सकती है जो देश के लिए हानिकारक है, क्योंकि खाद्य मुद्रास्फीति में वृद्धि और आय में गिरावट से सामाजिक अशांति पैदा हो सकती है। रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा कि जल आपूर्ति में कमी से कृषि उत्पादन तथा औद्योगिक कार्य प्रभावित हो सकते हैं, इसके परिणामस्वरूप खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं. यह उन क्षेत्रों की ऋण क्षमता के लिए हानिकारक हो सकता है, जो भारी मात्रा में जल का उपभोग करते हैं, जैसे कोयला बिजली उत्पादक और इस्पात निर्माता आदि।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, साथ ही तीव्र औद्योगिकीकरण और शहरीकरण के कारण दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में पानी की उपलब्धता कम होगी। इसके अलावा, जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव तेजी से बढ़ने के कारण जल संकट और भी बदतर हो रहा है, जिसके चलते सूखा, लू तथा बाढ़ जैसी जलवायु संबंधी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। मूडीज ने रिपोर्ट में कहा कि भारत में पानी की कमी बढ़ती जा रही है, क्योंकि तेज आर्थिक वृद्धि तथा जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के कारण लगातार बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं के बीच पानी की खपत बढ़ रही है।

यह रिपोर्ट उस समय आई है जब दिल्ली के कुछ हिस्सों में जल संकट एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। जल संसाधन मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देकर मूडीज ने कहा कि भारत की प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक जल उपलब्धता 2031 तक घटकर 1,367 क्यूबिक मीटर रह जाने की संभावना है। यह 2021 में पहले से ही कम 1,486 क्यूबिक मीटर है। मंत्रालय के अनुसार, 1,700 क्यूबिक मीटर से कम का स्तर जल संकट को दर्शाता है। पिछले एक दशक में बहुपक्षीय ऋणदाता ने ग्रामीण समुदायों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के भारत सरकार के प्रयासों का समर्थन किया है। 1.2 अरब अमरीकी डॉलर के कुल वित्तपोषण वाली कई परियोजनाओं से दो करोड़ से अधिक लोगों को लाभ हुआ है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत की न्यू सिविल में से लापता हुए बच्चे के मामले में पुलिस को मानव तस्करी का संदेह, महिल सहित दो आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, न्यू सिविल अस्पताल से ३ साल के बच्चे के लापता होने के बाद पुलिस बेड़े में भगदड़ मच गई. घटना की जानकारी मिलने पर डीसीपी, एसीपी और खटोदरा पुलिस स्टाफ अस्पताल पहुंचा. सीसीटीवी कैमरे की जांच के दौरान पता चला कि एक महिला बच्चे को लेकर अस्पताल के मुख्य गेट से बाहर जा रही थी. २६ घंटे बाद महिला और बच्चे को ढूंढ लिया गया. पुलिस जब महिला के घर पहुंची तो वह बच्चे के साथ छत पर थी. पुलिस ने उससे बच्चा छीन लिया और महिला को हिरासत में ले लिया. पुलिस ने महिला सहित दो को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई शुरू की है.

सूरत पुलिस द्वारा सिविल अस्पताल से लापता बच्चे को ढूंढने के बारे में पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलोत ने बताया कि सिविल अस्पताल से बच्चे के गायब होने के बाद बच्चे को ढूंढने के लिए २३ टीमें बनाई गई थी. जिन्होंने करीब १००० सीसीटीवी कैमरे चेक किए थे. इस टीम के करीब २०० पुलिसकर्मी २४ घंटे तक नहीं सोए और इस बच्चे की तलाश कर रहे थे. एक-एक कर सीसीटीवी चेक करने के बाद वे आरोपी महिला और उसके पति तक पहुंच गए. आरोपी महिला पानफूलदेवी और उसके पति इंद्रबली रेखाराम रविदास को भेस्तान आवास से पकड़ा गया. साथ ही बच्चे को भी सुरक्षित रिहा करा लिया गया. गिरफ्तार आरोपी से प्रारम्भिक पूछताछ में पता चला कि इंद्रबली की दो पत्नियाँ हैं जिनमें पहली पत्नी का नाम पनफुलदेवी है, उससे उसे एक पुत्री है तथा विवाह के १८ वर्ष बीत जाने के बावजूद कोई पुत्र नहीं था. फिर पानफूलदेवी ने अपने पति से चार महीने पहले दूसरी शादी संगीता देवी के साथ करवाया था.

इंद्रबली की दूसरी पत्नी संगीता देवी को अपने पिछले पति से साढ़े पांच साल का बेटा है. बीमार हुए बेटे को कल पति-पत्नी और दूसरी पत्नी ने न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती कराया. इसी दौरान जब तीन साल का बच्चा खेल रहा था तो पानफूलदेवी की नजर उस पर पड़ गई और उसने अपने बेटे के प्यार के प्रलोभन में आकर उसे जाल में फंसा लिया और इस बच्चे का अपहरण कर अपने घर ले गई. जिसे पुलिस द्वारा पकड़ लिया गया है. पुलिस कमिश्नर ने आगे बताया कि पुलिस को आरोपी के घर से अन्य बच्चे भी मिले है. इसलिए उनका डीएनए टेस्ट कराने समेत कार्रवाई की जाएगी. हालांकि पुलिस मानव तस्करी की भी जांच कर रही है. आरोपी की दूसरी पत्नी का भी एक बेटा था, लेकिन ये बच्चा छीन लिया गया. हालांकि पति को भी पता था कि बच्चे को पत्नी ने उठा कर लाया है, लेकिन उसने किसी को इसकी जानकारी नहीं दी.

गौरतलब है कि बच्चे को सही सलामत पुलिस द्वारा ढूंढने के बाद बच्चे की माता द्वारा पुलिस का आभार व्यक्त किया गया इसी के साथ बच्चा मिल जाने से जान में जान आई ऐसा मां ने कहा.

सूरत शहर में नो ड्रग्स के बैनर के साथ पाल आरटीओ सर्कल से पाल पुलिस स्टेशन तक रैली निकाली गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, २६ जून ''अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स विरोधी दिवस'' पर सूरत पुलिस द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया. ड्रग्स के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सूरत सिटी एसओजी द्वारा रैली का आयोजन किया गया था. इस कार्यक्रम में सूरत पुलिस कमिश्नर समेत अन्य पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे. सूरत शहर में ''Say No Drugs in surat city'' के बैनर के साथ पाल आरटीओ सर्कल से पाल पुलिस स्टेशन तक रैली निकाली गई. जिसमें बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे.

सूरत को नशा मुक्त बनाया जा सके इसके लिए सूरत की जनता और पुलिस द्वारा लगातार नशे के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही है. युवाओं के बीच अवैध नशीली दवाओं के उपयोग की चुनौती के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए सूरत पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा है. अभियान का उद्देश्य सभी का सहयोग प्राप्त करना और लोगों को ड्रग्स के उपयोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करना है. जिसके तहत २६ जून को घोषित ''International Day against Drugs Abuse and Illicit Trafficking'' के आधार पर २६ जून २०२४ को जन जागरूकता के माध्यम से आम जनता के साथ-साथ स्कूलों, कॉलेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी नशीले पदार्थों (ड्रग्स) के उपयोग पर रोक लगाने पर रोक लगाई जाएगी और युवाओं के बीच नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए ड्रग्स विरोधी रैली आयोजित की गई.

पुलिस कमिश्नर अनुपमसिंह गहलौत द्वारा सूरत शहर में चलाए जा रहे से नो ड्रग्स अभियान को और अधिक उज्ज्वल एवं प्रभावी बनाने के लिए सूरत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप द्वारा शहरी क्षेत्र में अभियान चलाया गया. १२ जून से २६ जून २०२४ तक विभिन्न जन जागरूकता कार्यक्रम जैसे ड्रग्स विरोधी रैली, ऑटो रिक्शा रैली, स्कूलों, कॉलेजों में ड्रग्स के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूकता कार्यक्रम, रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, अस्पतालों पर पोस्टर बैनर के माध्यम से जन जागरूकता कार्यक्रम एवं टोल फ्री नम्बर के साथ-साथ प्रतिभागियों को नशा उन्मूलन हेतु ई-प्रतिज्ञा के माध्यम से शपथ दिलाने हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गए.

५९ लाख की एमडी ड्रग्स के मामले में दो साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सचिन पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस अपराध दर्ज किया गया था. इस अपराध में दो साल से वांछित आरोपी को सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने पकड़ लिया है. जानकारी के मुताबिक, सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी चंदन उर्फ इस्माइल रमेश तायड़े को उधना से पकड़ा. पुलिस के मुताबिक, २५ अक्टूबर २०२२ को सूरत एसओजी पुलिस की एक टीम ने आरोपी अजरूदीन उर्फ केला और ३ अन्य लोगों को सचिन कपलेथा चेक पोस्ट के पास से गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से ५९ लाख की ५९० ग्राम एमडी ड्रग्स, ७ मोबाइल फोन और एक चार पहिया कार और ४७,९५० रुपये नकद, कुल ६५,४१,४७० रुपये जब्त किए थे.

इस अपराध में एमडी ड्रग्स का ऑर्डर देने वाले आरोपी चंदन तायड़े को शिकायत में वांछित बनाया गया था. अपराध दर्ज होने के बाद आरोपी पकड़ा नहीं गया तो नामदार कोर्ट द्वारा उसके खिलाफ सीआरपीसी-७० के तहत वारंट जारी कर दिया गया और आरोपी आज तक फरार था. इसी बीच सूरत क्राइम ब्रांच की टीम ने आरोपी को पकड़ लिया और कानूनी कार्रवाई की.

मनपा की साधारण सभा में पार्षदों ने एक-दूसरे पर लगाया तोड़पानी का आरोप

कानू गेडिया बोले- अवैध निर्माण के लिए विपक्षी नेता ने मांगे ११ लाख

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,सूरत नगर निगम की साधारण सभा में जमकर हंगामा हुआ. सीलिंग की कार्रवाई को लेकर शुरूहुए प्रेजेंटेशन के बाद साधारण सभा में हंगामा शुरूहो गया. कॉरपोरेटरो ने एक-दूसरे से पैसे लेने का आरोप लगाया गया. जैसे ही विपक्ष ने कहा कि अधिकारी बिल्डरों और बड़े लोगों को बख्श रहे हैं और छोटे व्यापारियों की दुकानें सील कर रहे है, तो आरोप लगने शुरूहो गए. आम आदमी पार्टी में से भाजपा में आए कॉरपोरेटर कानू गेडिया ने आरोप लगाया कि पूणा क्षेत्र के अक्षय पार्क में अवैध निर्माण को लेकर विपक्षी नेता पायल सकारिया के मध्यस्थ द्वारा प्लॉट धारक से ११ लाख की मांग की गई थी, लेकिन जब उन्हें पता चला कि यह कॉरपोरेटर के के धामी के काका का प्लॉट है तो उसके बाद वह रफुचक्कर हो गई. जब से पायल सकारिया विपक्ष की नेता बनी हैं, आम आदमी पार्टी तोड़पानी पार्टी बन गई है. जिसका उतर देते हुए नेता प्रतिपक्ष पायल सकारिया ने कहा कि मेरी ओर से कोई मांग नहीं की गई है. अगर कोई सबूत है तो उसका खुलासा किया जाना चाहिए. यदि पैसा दिया जाता है या मांगा जाता है तो किसे दिया जाता है इसका भी खुलासा किया जाना चाहिए. आवासीय क्षेत्रों में कॉटेज इंडस्ट्रीज को लेकर राज्य सरकार ने जो नियम बनाये है. इसकी नीव रखकर एक इंडस्ट्री बनाया जा रहा है. जिसका हमारे द्वारा विरोध किया जा रहा है, क्योंकि के. के. धामी के रिश्तेदार की भी साजिश है, वे गलत आरोप लगा रहे है. गलत तरीके से कॉटेज इंडस्ट्रीज स्थापित किये जा रहे है. हम फिर भी इसका विरोध करेंगे.

पांडेसरा जीआईडीसी में हरियाली अभियान की पहल, ४०० कारबाओं को किया गया प्रदूषण मुक्तऔर सौंदर्यीकरण

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, पांडेसरा इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन (पीआईए) , दक्षिण गुजरात टेक्सटाईल प्रोसेसर्स एसोसिएशन (एसजीटीपीए) और गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (जीपीसीबी) सूरत द्वारा पांडेसरा जीआईडीसी में हरियाली बढ़ाने के लिए एक सराहनीय पहल शुरूकी गई है. इस अभियान के तहत जीपीसीबी सूरत क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. जिज्ञासाबेन ओझा, पांडेसरा इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अध्यक्ष कमलविजय तुलसियान और एसजीटीपीए के अध्यक्ष जीतेन्द्र वखारिया ने मिलकर पांडेसरा सीईटीपी में लगभग ४०० कारबाओं को प्रदूषण मुक्त किया और उनका सौंदर्यीकरण किया. इन सौंदर्यीकृत कारबाओं को अब पांडेसरा जीआईडीसी की सड़कों पर लगाया जाएगा. यह पहल न केवल पांडेसरा जीआईडीसी के वातावरण को सुगम बनाने में मदद करेगी, बल्कि यह क्षेत्र के सौंदर्यीकरण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी. सभी अपने आसपास पेड़ लगाये और पर्यावरण की रक्षा के लिए योगदान दे.

श्याम मंदिर में चलाया गया स्वच्छता अभियान

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरत धाम में बुधवार को सुबह छ: बजे से श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया३. इस मौक़े पर पचास से अधिक श्याम भक्तों द्वारा मंदिर प्रांगण की सफ़ाई एवं धुलाई की गई. इस दौरान ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश तोदी, सचिव राजेश दोदराजका, निर्वतमान सचिव विनोद कानोड़िया, पूर्व सचिव सुशील चिरानियां, राजकुमार अग्रवाल (जयबाबा) सहित कार्यकारिणी के अनेकों सदस्य उपस्थित रहें. इस अभियान से लोगों को संदेश दिया गया की आपकी भी अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें.

श्री श्याम सरकार परिवार ट्रस्ट की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, श्री श्याम सरकार परिवार ट्रस्ट की वर्ष २०२४-२५ की नई ट्रस्ट कार्यकारिणी का गठन मंगलवार को किया गया. ट्रस्ट के संस्थापक योगेश बंसल ने बताया कि ट्रस्ट के अध्यक्ष पद पर विनोद डोहकावले, मंत्री पद पर राजेश किल्ला, कोषाध्यक्ष पद पर दिलीप अग्रवाल को सर्वसमति से पदभार दिया गया. संरक्षक पद पर राजू लोहिया, अजय खेतान, महेश वाधवानी, लक्ष्मीनारायण खत्री, सुरेंद्र अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, एवं उपाध्यक्ष पद पर गोपाल टिब्रेवाल, सुनील गोयल, उपमंत्री विकाश कानोडिया, हेमंत गर्ग सह कोषाध्यक्ष विनोद अग्रवाल, संजय मित्तल, प्रशासनिक प्रभारी दीनदयाल बजाज, प्रचार मंत्री संदीप बंसल, उपप्रचार मंत्री अमित गुप्ता, संगठन मंत्री दीपक अग्रवाल की नियुक्ति की गई. इसके साथ ही कार्यकारिणी में सात सदस्यों को मनोनीत किया गया है.